अवध की आवाज

www.avadhkaawaz.com

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र राजधानी लखनऊ उत्तर प्रदेश से प्रकाशित

वर्ष–10 अंक–279 R.N.I.- UPHIN/2012/45127 लखनऊ शुक्रवार 7 जनवरी 2022 पृष्ठ – 4 मूल्य–3 रूपया

संक्षिप्त समाचार

अवध की आवाज ब्यूरो

उन्नाव अचलगंज बदरका चन्द्रशेखर आजाद की 116 वी0 जयंती के अवसर पर जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक उन्नाव व मुख्य विकास अधिकारी द्वारा ग्राम बदरका स्थित शहीद स्मारक स्थल में चन्द्रशेखर आजाद की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया गया तथा इस संदर्भ में आयोजित कार्यक्रम में प्रतिभाग किया गया।

शहीद चंद्रशेखर आजाद की जयंती के शुभ अवसर पर बदरका में रंगारंग कार्यक्रम

उन्नाव। चन्द्रशेखर आजाद की 116 वी0 जयंती के अवसर पर श्रीमान जिलाधिकारी महोदय उन्नाव एवं श्रीमान पुलिस अधीक्षक महोदय उन्नाव व श्रीमान मुख्य विकास अधिकारी द्वारा ग्राम बदरका स्थित शहीद स्मारक स्थल में चन्द्रशेखर आजाद की प्रतिमा पर

माल्यार्पण किया गया तथा इस संदर्भ में आयोजित कार्यक्रम में प्रतिभाग किया गया।' शहीद चंद्रशेखर आजाद की जयंती के शुभ अवसर पर बदरका में रंगारंग कार्यक्रम करते छोटे बड़े नन्हे.मुन्ने बच्चे।

नए साल के अवसर पर नवाबजादा सैय्यद मासूम रजा, ऐडवोकेट ने आनंदीबेन पटेल से मुलाकात की

लखनऊ। यू पी की लोकप्रिय और सफल राज्यपाल मेडम आनंदीबेन पटेल जी को नए साल

के अवसर पर राजभवन जाकर नवाबजादा सैय्यद मासूम रजा ऐडवोकेट ने दिली मुबारकबाद दी। नवाबजादा रजा ने आगे कहा कि अल्लाह हमेशा मैडम राज्यपाल को खुश और सेहतमंद रक्खे उनकी लंबी उम्र और स्वस्थ जीवन हो, इसकी कामना की और यू पी को हमेशा कीमती और बहुमूल्य सेवाए उनकी मिलती रहे। नवाबजादा रजा ने कुछ दिन पहले मैडम राज्यपाल जी को उनके जन्म दिन पर भी मुबारकबाद दी थी।

पीएम मोदी की सुरक्षा में हुई चूक की जांच के लिए अमित शाह ने बनाई कमेटी, केंद्र ने दिए 'बड़े व कड़े फैसले' के संकेत

एजेंसी

नई दिल्ली। गृह मंत्री ने कहा था कि प्रधानमंत्री की सुरक्षा प्रक्रिया में इस तरह की लापरवाही अस्वीकार्य है और इसमें जवाबदेही तय की जाएगी। दूसरी ओर आज केंद्रीय कैबिनेट की बैठक हुई जिसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सुरक्षा को लेकर चिंता जताई गई। पंजाब के फिरोजपुर में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सुरक्षा में हुई चूक को लेकर देश में बड़ा बवाल मचा हुआ है। सबसे बड़ा सवाल तो यही है कि आखिर प्रधानमंत्री के सुरक्षा में इतनी बड़ी इच्छा कैसे हो गई और इसके लिए जिम्मेदार कौन है? प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सुरक्षा में हुई चूक के लिए अमित शाह के नेतृत्व वाली केंद्रीय गृह मंत्रालय ने एक समिति गठित की है। जानकारी के मुताबिक इस समिति का नेतृत्व गृह मंत्रालय के सुरक्षा सचिव सुधीर सक्सेना करेंगे जबकि अन्य सदस्यों मेंआईबी के संयुक्त निदेशक बलवीर सिंह और एसपीजी के आईजी एस सुरेश शामिल होंगे। प्रधानमंत्री के सुरक्षा में हुई गंभीर चूक की जांच के लिए इस समिति का गठन किया गया है और रिपोर्ट को जल्द ही सौंपने को कहा गया है। इससे पहले गृह मंत्रालय ने पंजाब सरकार से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सुरक्षा में हुई चूक को लेकर विस्तृत रिपोर्ट मांगी थी। खुद अमित शाह ने ट्वीट कर इसकी जानकारी दी थी।गृह मंत्री ने कहा था कि प्रधानमंत्री की सुरक्षा प्रक्रिया में इस तरह

की लापरवाही अस्वीकार्य है और इसमें जवाबदेही तय की जाएगी। दूसरी ओर आज केंद्रीय कैबिनेट की बैठक हुई जिसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सुरक्षा को लेकर चिंता जताई गई। केंद्रीय कैबिनेट की बैठक के बाद सूचना एवं प्रसारण मंत्री अनुराग ठाकुर ने कहा कि प्रधानमंत्री के पंजाब दौरे पर हुई सुरक्षा चूक के बारे में केंद्रीय गृह मंत्रालय सूचनाएं एकत्र कर रहा है और 'बड़े एवं कड़े फैसले' किये जाएंगे। ठाकुर ने कहा कि कुछ लोग इस बारे में उच्चतम न्यायालय भी गए हैं और मीडिया सहित अन्य क्षेत्रों से लोगों ने अपने विचार व्यक्त किये हैं। उन्होंने कहा कि केंद्रीय गृह मंत्रालय ने भी कार्रवाई की बात कही है। सूचनाएं एकत्र करने के बाद जो भी कदम...बड़े और कड़े निर्णय उसकी ओर से लिये जाएंगे। ठाकुर ने कहा कि मानना है कि देश की न्यायिक व्यवस्था ने सभी को न्याय दिया है। और जब ऐसी चूक होती हैं, जो भी कदम उठाने होंगे, उठाये जायेंगे। इन सबके बीच, देश भर में भाजपा नेताओं ने प्रधानमंत्री के दीर्घायु होने की कामना करने हुए मंदिरों में पूजा–अर्चना की और महामृत्युंजय मंत्र का जाप भी किया। पंजाब के भाजपा नेताओं ने चंडीगढ़ में राज्यपाल बनवारीलाल पुरोहित से मुलाकात की और राज्य के गृह मंत्री और पुलिस महानिदेशक को बर्खास्त किए जाने की मांग की। हालांकि, पंजाब के मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी ने कहा कि प्रधानमंत्री की सुरक्षा में कोई चूक नहीं हुई और इसके पीछे कोई राजनीतिक मंशा नहीं थी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के कार्यक्रम में अचानक हुए बदलाव के कारण यह घटना हुई और प्रधानमंत्री के जीवन पर खतरे जैसी कोई स्थिति नहीं थी। मुख्यमंत्री ने मामले की गहराई से जांच के लिए एक समिति गठित कर दी है। सेवानिवृत्त न्यायमूर्ति मेहताब सिंह गिल और प्रधान सचिव, गृह मामले व न्याय, अनुराग वर्मा को तीन दिनों के भीतर रिपोर्ट सौंपने को कहा गया है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा ऋण एवं टूलकिट वितरण का किया गया वर्चुवल

अवध की आवाज ब्यूरो

सिद्धार्थनगर। बृजेश पाण्डेय मुख्यमंत्री उ0प्र0 योगी आदित्यनाथ द्वारा ऋण एवं टूलकिट वितरण वर्चुवल रूप से किया गया। आज ऑनलाइन स्वरोजगार संगम के अंतर्गत मा0 मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने प्रदेश के 506995 उद्यमी लाभार्थियों को रू0 4314 करोड़ का ऋण वितरित किया। इस अवसर पर उन्होने विश्वकर्मा सम्मान तथा ओडीओपी योजना के अंतर्गत टूल किट का वितरण किया। मुख्यमंत्री द्वारा शीला पत्नीअक्षय तिवारी, पकड़ी चौराहा, सिद्धार्थनगर से वार्ता किया गया और उनको बधाई एवं शुभकामना दिया गया। इसी प्रकार मुरादाबाद, वाराणसी, गोरखपुर, कानपुर देहात, मथुरा, सहारनपुर के उद्यमियों से आनलाईन संवाद करके उद्योग स्थापना एवं मार्केटिंग के बारे में जानकारी प्राप्त किया। इस अवसर पर उन्होने एक सर्वे रिपोर्ट का विमोचन किया, जिसमें पिछले 05 वर्षो में स्थापित उद्योगों एंव उनमें प्राप्त रोजगार का नाम सहित विवरण दिया गया है।एन0आई0सी0 सिद्धार्थनगर में जिलाधिकारी दीपक मीणा की उपस्थिति में उक्त ऑनलाइन स्वरोजगार संगम के दौरान उपायुक्त उद्योग दयाशंकर सरोज और अग्रणी जिला प्रबंधक द्वारा प्रधानमंत्री रोजगार सृजन योजना में श्रीमती शीला को सर्जिकल बैण्डेज मेन्यूफंक्चर के लिए रू0 10 लाख, मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार योजना में जहांगीर को हैण्डलूम के लिए रू0 05 लाख

तथा ओ0डी0ओ0पी0 वित्तपोषण सहायता योजना में श्रीमती रीता देवी को कालानमक चावल के लिए रू0 25 लाख का ऋण वितरित किया गया। विश्वकर्मा श्रम सम्मान योजना में श्री राम सेवक, बढ़ई एवं श्रीमती शान्ती देवी, दर्जी को टूलकिट वितरित किया गया। इस अवसर पर मुख्य विकास विकास अधिकारी पुलकित गर्ग एवं लाभार्थी उपस्थित थे।

प्रशासनिक सेवा मे चयनित प्रशिक्षु दलो का विदाई कलेक्ट्रेट सभागार मे हुई सम्पन्न

सिद्धार्थनगर। बृजेश पाण्डेय भारतीय प्रशासनिक सेवा में चयनित हुए आई0ए0एस, आई0पी0एस, आई0आर0एस विभिन्न पदों हेतु प्रशिक्षु दल के सदस्यों का जनपद के ग्रामीण क्षेत्रों में भारत सरकार/प्रदेश सरकार द्वारा चल रही जन कल्याणकारी योजनाओं के बारे में जानकारी प्राप्त करने हेतु दस दिवसीय भ्रमण कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। मुख्य विकास अधिकारी पुलकित गर्ग की अध्यक्षता एवं जिला विकास अधिकारी श्री शेषमणि सिंह की उपस्थिति में भारतीय प्रशासनिक सेवा में चयनित हुए आई0ए0एस, आई0पी0एस, आई0आर0एस विभिन्न पदों हेतु प्रशिक्षु दलों का विदाई कार्यक्रम कलेक्ट्रेट सभागार में सम्पन्न हुआ। भारतीय प्रशासनिक सेवा में चयनित हुए आई0ए0एस, प्रशिक्षु दल के सदस्यों द्वारा मुख्य विकास अधिकारी को ग्रामीण क्षेत्रों की मूलभूत समस्याओं के बारे में अवगत कराया गया। जिसमें विद्यालयों में बाउन्ड्री वाल नहीं है, गांवों में शुद्ध पेयजल

के लिए हैण्डपम्प की समस्या, बिजली आदि के बारे में अवगत कराया गया। मुख्य विकास अधिकारी श्री पुलकित गर्ग ने बताया कि जिला प्रशासन द्वारा गांवों की मूलभूत समस्याओं का निस्तारण कराया जायेगा। मुख्य विकास अधिकारी द्वारा प्रशिक्षु दलों को काफी टेबल बुक एवं काला नमक चावल भेंट किया गया और उनको बधाई दिया गया। अवध की आवाज

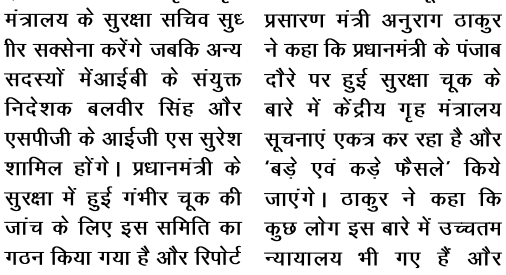

उन्नाव। उपायुक्त उद्योग सुश्री करुणा राय ने बताया कि आज ऑनलाइन स्वरोजगार संगम के अंतर्गत मा0 मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेश के 506995 उद्यमी लाभार्थियों को रू0 4314 करोड़ का ऋण वितरित किया। इस अवसर पर उन्होने विश्वकर्मा सम्मान तथा ओडीओपी योजना के अंतर्गत टूल किट का वितरण किया। अवध की आवाज

उन्नाव। पत्रकार सुरक्षा महासमिति की तरफ से मैं प्रदेश उपाध्यक्ष गुड्डू मिश्रा वसाजन राजपूत संवाददाता अवध की आवाज माननीय विधानसभा अध्यक्ष के पुत्र हिलौली ब्लाक प्रमुख दिलीप दीक्षित से शिष्टाचार भेंट करते हुए पत्रकारों के ऊपर हो रहे अन्याय के विषय में वार्ता की गई। उन्होंने तुरंत संबंधित अधिकारियों को फोन लगाकर बात की संबंधित अधिकारियों द्वारा संतोषजनक उत्तर प्राप्त हुआ।

मोहम्मद रफी जैसे लोग मरते नहीं, बल्कि दिलों में हमेशा जिंदा रहते हैं-इंजिनियर हया फातिमा

लखनऊ। आज मोहम्मद रफी साहेब की पैदाइश पर उन्हें याद कर खिराजे अकीदत पेश किया गया। यह सभी जानते हैं की दुनिया में जो आया है उसको एक मुकर्रर वक्त तक दुनिया में रहकर रुखसत हो जाना है। बॉलीवुड के मशहूर व मारूफ ग्लोकार मोहम्मद रफी साहेब भी जिंदगी के चार दिन काट कर 31 जुलाई 1980 को आखरी सफर पर रवाना हो गए। निकट सिटी स्टेशन, हामिद रोड स्थित सल्तनत मंजिल की इंजिनियर हया फातिमा बिटिया नवाबजादा सैय्यद मासूम रजा, एडवोकेट ने कहा की रफी साहेब हमारे दरम्यान नहीं हैं मगर उनकी दिलकश आवाज हमेशा गूंजती रहेगी। यह सच है कि उनकी आवाज का कोई सानी नहीं। रफी साहेब हर किस्म के गाने गाने में माहिर थें। उनकी आवाज का कोई नकल नहीं कर सका। अगर किसी ने नकल करने की कोशिश की तो वो हरगिज कामयाब न हो सका। इंजिनियर हया फातिमा ने आगे कहा कि उनकी गुलोकारी का अंदाज बिलकुल अलग था। वो

एक अच्छे इंसान थें। रफी साहेब को 1977 में रिलीज हुई नासिर हुसैन की फिल्म ष्हम किसी से कम नहीं के लिए भारत के राष्ट्रपति नीलम संजीव रेड्डी के हाथों ष्रजत कमल अवार्डष् से नवाजा गया था। 1965 में उन्हें पद्मश्री से नवाजा गया था और यह अवार्ड उस समय के राष्ट्रपति डॉक्टर जाकिर हुसैन के हाथों दिया गया था। 31 जुलाई 1980 को दिल का दौरा पड़ने से उनकी मौत हो गई। इंजिनियर हया फातिमा ने आगे कहा कि रफी साहेब जैसे लोग हमारे बीच नहीं हैं, ऐसे लोग मरते नहीं बल्कि दिलों में हमेशा जिंदा रहते है और उनकी आवाज हमेशा कानो में गूंजती रहती है। डाक विभाग द्वारा 15 मई 2003 को चार मशहूर ग्लोकार किशोर कुमार, मुकेश, हेमंत कुमार और मोहम्मद रफी के एजाज में चार टिकटों का एक सेट ष्गोल्डन वॉयसेस आफ ईस्टर ईयर्सष् के नाम से जारी किया गया था यह नायाब टिकटों का सेट इंजिनियर हया फातिमा के कलेक्शन में चार चांद लगा रहा है। अवध की आवाज

एलडीए के सॉफ्टवेयर से अब नहीं हो सकेगी छेड़छाड़

लखनऊ । लखनऊ विकास प्राधिकरण के पोर्टलध्सॉफ्टवेयर में अब किसी भी तरह की छेड़छाड़ नहीं हो सकेगी। इसके लिए आईआईटी कानुपर की टीम द्वारा प्राधिकरण में चलित पोर्टल की रिडिजाइनिंग कर ब्लॉकचेन टेक्नोलॉजी का उपयोग करते हुए नया पोर्टल तैयार किया जायेगा। प्राधिकरण के उपाध्यक्ष अक्षय त्रिपाठी ने गुरूवार को आईआईटी कानुपर की टीम के साथ इस सम्बन्ध में एमओयू साइन किया। अनुरोध किया गया। विशेष कार्याधिकारी देवांश त्रिवेदी ने बताया कि इस क्रम में आज उपाध्यक्ष अक्षय त्रिपाठी व आईआईटी कानपुर के प्रोफेसर पद्मश्री डॉ. मणीन्द्र अग्रवाल, एडवाइजर दीपक सिन्हा के मध्य एमओयू साइन हुआ। इसके तहत आईआईटी कानपुर द्वारा प्राधिकरण में चलित पोर्टल की रिइंजीनियरिंग करते हुए पुराने डाटा को माईग्रेट करके आधुनिकतम टेक्नोलॉजी और

प्रोग्रामर एनालिस्ट राघवेन्द्र मिश्रा ने बताया कि पिछले कुछ महीनों में प्राधिकरण के कम्प्यूटर सॉफ्टवेयर में छेड़छाड़ तथा टेम्परिंग के मामले सामने आये थे। इसकी विभागीय जांच के साथ ही भारत सरकार द्वारा अधिकृत ब्म्ज्.प्छ संस्था द्वारा सिक्योरिटी आडिट भी कराया गया। उक्त संस्था द्वारा सुझाये गये बिन्दुओं का अपने सॉफ्टवेयर में समावेश करते हुए पोर्टल को सेक्योर किया गया। भविष्य में इस तरह की समस्या दोबारा न हो, इसके लिए उपाध्यक्ष अक्षय त्रिपाठी द्वारा सॉफ्टवेयर को नवीनतम टेक्नोलॉजी से युक्त करने के निर्देश दिये गये थे। इसके परिपेक्ष में आईआईटी कानपुर के प्रोफेसर व प्रोजेक्ट इंचार्ज, नेशनल ब्लॉकचेन प्रोजेक्ट पद्मश्री डॉ. मणीन्द्र अग्रवाल व उनकी टीम से प्राधिकरण में चलित सॉफ्टवेयर तथा हार्डवेयर का विस्तृत अध्ययन करने का ब्लॉकचेन के उपयोग से नया पोर्टल बनाया जायेगा। उन्होंने बताया कि समझौते के मुताबिक आईआईटी कानपुर की टीम को एक वर्ष के अन्दर प्राधिकरण में ब्लॉकचेन टेक्नोलॉजी से युक्त पोर्टल बनाकर क्रियान्वित करना होगा। यह व्यवस्था लागू होने से आवंटन, रजिस्ट्री, भुगतान और सम्पत्ति के समस्त रिकार्ड आदि पूरी तरह सुरक्षित रहेंगे और कर्मचारियों को भी कम्प्यूटर पर काम करने में आसानी होगी। लखनऊ विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष अक्षय त्रिपाठी ने आज गुरूवार को प्राधिकरण के चार मृतक कर्मियों के परिजनों को मृतक आश्रित कोटे के तहत नियुक्ति पत्र दिया। प्राधिकरण के अधिष्ठान विभाग के प्रभारी अपर सचिव ज्ञानेन्द्र वर्मा ने बताया कि कुमारी अनुजा यादव, रीता सिंह व राहुल कुमार को अनुचर तथा मो. उवेद को माली के पद पर नियुक्त करते हुए नियुक्ति पत्र दिया। अवध की आवाज

सम्पादकीय

भ्रम व दोहरेपन के बीच फिर कोरोना की दहशत

स्वास्थ्य वैज्ञानिकों व विशेषज्ञों के अनुसार कोरोना की तीसरी लहर विश्वव्यापी स्तर पर आ चुकी है। अमेरिका जैसे साधन व सुविधा संपन्न देश में एक ही दिन में दस लाख से अधिक के दर से कोरोना के नये मामले सामने आने लगे हैं। इसके विश्वव्यापी प्रसार को नियंत्रित करने हेतु पूरे विश्व की अब तक हजारों उड़ानें स्थगित की जा चुकी हैं। भारत में भी कोरोना व ओमीक्रोन के तेजी से बढ़ते प्रभाव के मद्देनजर आवश्यकतानुसार राज्य स्तर पर अलग अलग तरह के फैसले लिये जा रहे हैं। भारत में गत एक सप्ताह में लगभग तीन गुना तेजी से संक्रमण फैल रहा है। सरकार व प्रशासन द्वारा एक बार फिर जनता को कोरोना गाईड लाइंस का सख्ती से पालन करने की चेतावनी दी जा रही है। इनमें वही दो गज की दूरी–मास्क है जरूरी का सबसे अधिक पाठ पढ़ाया जा रहा है। कई जगहों से तो यह खबरें कोरोना की प्रथम व द्वितीय लहर में भी आई थीं और फिर आने लगी हैं कि मास्क न लगाने पर आम लोगों से जुर्माना वसूला जा रहा है। परन्तु मास्क लगाने अथवा न लगाने को लेकर अभी भी आम लोगों में भ्रम बना हुआ है। तमाम लोग मास्क लगाने में असहज महसूस करते हैं। खासकर सांस फूलने व दमा जैसे मर्ज के लोगों के लिये तो मास्क लगा पाना बिल्कुल ही संभव नहीं हो पाता। तमाम स्वस्थ लोग भी मास्क लगाने की थ्योरी को पचा नहीं पाते। यहाँ तक कि डॉक्टर्स का भी एक वर्ग ऐसा है जो मास्क लगाकर कोरोना से बचाव करने जैसी थ्योरी से सहमत नहीं है। उनका मानना है कि मास्क लगाने वाला व्यक्ति साँस द्वारा अपनी ही छोड़ी गयी कार्बन डाई ऑक्साइड का 30 से 40 प्रतिशत भाग सांस लेने के साथ वापस खींच लेता है।

तो क्या यही वजह है कि हमारे देश में प्रायः प्रधानमंत्री सहित अनेक 'आदर्श पुरुष ' बिना मास्क लगाये बड़े से बड़े आयोजन की शोभा बढ़ाते देखे जा सकते हैं ? पिछले दिनों शिव सेना के सांसद संजय राऊत नासिक के एक सार्वजनिक कार्यक्रम में जब बिना मास्क लगाये दिखाई दिये तो मीडिया ने उनसे मास्क न लगाने की वजह पूछी। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि 'मैं पी एम मोदी को फॉलो करता हूँ।' राऊत ने यह भी कहा कि पी एम दूसरों से तो मास्क लगाने को कहते हैं परन्तु वे स्वयं मास्क नहीं लगाते। इस भ्रमपूर्ण स्थिति में यहाँ यह सवाल जरूरी है कि जब एक सांसद प्रधानमंत्री का हवाला देकर अपने मास्क न पहनने को न्यायोचित बताता हो ऐसे में केवल आम जनता को ही मास्क लगाने के लिये बाध्य करना यहाँ तक कि मास्क न लगाने वालों से जुर्माना तक वसूल करना भ्रम के साथ साथ सरकार व प्रशासन की दोहरेपन की नीति का परिणाम है या नहीं ? इसी प्रकार देश में बड़े बड़े धार्मिक सामजिक व राजनैतिक आयोजन हो रहे हैं। समुदाय विशेष तथा गाँधी को गरियाने वाले कार्यक्रमों को शायद 'अति आवश्यक ' समझकर आयोजित किया जा रहा है। उत्तर प्रदेश,पंजाब,उत्तराखंड,गोवा व मणिपुर जैसे चुनावी राज्यों में संभवतः दस जनवरी तक चुनाव की तारीख भी घोषित हो जायेगी। निश्चित रूप से चुनाव तिथि घोषित होने के बाद इन राज्यों में चुनावी गहमागहमी और अधिक बढ़ जाएगी।

इसीलिये जनता भ्रमित भी है और सरकार के दोहरेपन को भी देख व समझ रही है।जब विभिन्न राज्यों में कहीं रात का कर्फ्यू लग चुका है तो कहीं वीकेन्ड कर्फ्यू लग चुका है कहीं मॉल,शॉपिंग कॉम्प्लेक्स,बाजार जिम,पार्क आदि या तो बंद करवा दिए गये हैं या कहीं आंशिक रूप से बंद कराये जा रहे हैं, बच्चों की पढ़ाई व परीक्षाओं पर फिर खतरा मंडराने लगा है,गोवा व महाराष्ट्र जैसे कई राज्यों में स्कूल कॉलेज बंद कर दिये गये हैं। देश में 15 से 18 वर्ष के किशोरों का टीकाकरण शुरू हो चुका है। चुनाव आयोग चुनावी राज्यों में चुनाव पूर्व शत प्रतिशत टीकाकरण सुनिश्चित कराने के लिये प्रयासरत तो जरूर है। परन्तु खबरें यह भी हैं कि वैक्सीन की दोनों खुराक अथवा एक खुराक लगवाने वाले कई लोग कोरोना की जद में भी आ चुके और ओमीक्रॉन से भी प्रभावित हो चुके हैं । इसलिये टीकाकरण कोरोना का संपूर्ण कवच है,इस बात को लेकर भी संदेह व भ्रम बरकरार है। इन हालात में चुनावी रैलियों,भीड़ भाड़ व सरगर्मियों को कैसे न्यायोचित व तर्क सांगत ठहराया जा सकता है ? हालांकि चुनाव आयोग के अनुसार सभी राजनैतिक दल चुनाव कराना चाहते हैं, परन्तु क्या जनता को राजनैतिक दलों की 'मंशा की भेंट' चढ़ाया जा सकता है ?

प्रधानमंत्री इन दिनों चुनावी राज्यों का धुंआधार दौरा कर रहे हैं। चुनाव तिथि घोषित होने से पूर्व केंद्र व राज्य सरकारें जनता को 'चुनावी वर्ष' के तोहफों से नवाज रही हैं। क्या कांग्रेस क्या समाजवादी तो क्या आम आदमी पार्टी सभी का ध्यान इसी ओर है कि किस तरह अपनी सभाओं रैलियों व जुलूसों में अधिक से अधिक लोगों की शिरकत सुनिश्चित कर मीडिया के द्वारा जनता को अपना बढ़ता जनाधार दिखाया जा सके। इस तरह के राजनैतिक आयोजनों पर कोई रोक टोक नहीं है। न समय सीमा,न कर्फ्यू न मास्क न सोशल डिस्टेंसिंग,न सिनेटाइजर। गोया सारे कायदे कानून सख्तियाँ व प्रतिबंध सिर्फ आम जनता के लिये हैं नेताओं के लिये हरगिज नहीं ?देश में इसी भ्रम व दोहरेपन के बीच फिर एक बार फिर कोरोना की दहशत मंडराने लगी है।

हमें मानवतावादी विश्व नागरिक तैयार करने होंगे

–डॉ. जगदीश गाँधी–

अक्सर यह देखने में आता है कि जब हम किसी की मदद करते हैं तो हमारे अंदर एक अभिमान–सा आ जाता है कि हमने उसकी मदद की है। लेकिन ऐसा है नहीं। हम तो निमित्त मात्र हैं।

वास्तव में ईश्वर की हमारे ऊपर यह विशेष कृपा है कि उसने हमें इस लायक बनाया कि हम किसी की तन, मन और धन से मदद कर पाते हैं। इसलिए हमें ईश्वर के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करते हुए उस व्यक्ति के प्रति भी कृतज्ञता व्यक्त करनी चाहिए, जिसने हमारी इस सेवा को स्वीकार किया।

जो जितना ज्यादा परोपकारी, उतना ईश्वर के समीप

किसी ने सही कहा है कि मानवता से बढ़ कर कोई धर्म नहीं है। रामायण में तुलसीदास जी कहते हैं– परहित सरिस धर्म नहीं भाई, पर पीड़ा सम नहिं अधमाई।। अर्थात् परोपकार से बढ़ कर कोई उत्तम कर्म नहीं है और दूसरों को कष्ट देने से बढ़ कर पाप नहीं। परोपकार की भावना ही वास्तव में मनुष्य को 'मनुष्य' बनाती है। वास्तव में परोपकारी व्यक्ति सदा प्रसन्न रहता है और परोपकार के अवसर ढूढ़ता रहता है। वह दूसरे की मदद करके प्रसन्न होता है और उसे आत्म संतुष्टि भी मिलती है। वास्तव में जो व्यक्ति जितना ज्यादा परोपकारी होता है वो उतना ही अधिक ईश्वर के समीप पहुंचता है।

परोपकार की भावना महानता की ओर ले जाती है

परोपकार की भावना मनुष्य को महानता की ओर ले जाती है। परोपकार से बड़ा कोई पुण्य/ ध र्म नहीं है। कबीरदास जी कहते हैं ''बड़ा हुआ तो क्या हुआ जैसे पेड़ खजूर। पंछी को छाया नहीं फल लागे अति दूर।। अर्थात् खजूर के पेड़ के समान बड़ा होने का क्या लाभ, जो ना ठीक से किसी पंछी को छाँव दे सकता है और ना ही उसके फल आसानी से कोई पा सकता है। कविवर रहीम कहते हैं कि ''तरूवर फल नहिं खात है, सरवर पियहि न पान। कहि रहीम पर काज हित, संपति संचहि सुजान।। अर्थात् जिस तरह पेड़ कभी स्वयं अपने फल नहीं खाते और तालाब कभी अपना पानी नहीं पीते उसी तरह सज्जन लोग दूसरे के हित के लिये संपत्ति का संचय करते हैं।

प्रकृति का भी संदेश, परोपकार सबसे बड़ा धर्म

हम तो निमित्त मात्र हैं– वास्तव में परमात्मा ने हमें जो शक्ति व सामर्थ्य दिया है वे दूसरों का कल्याण करने के लिए है। प्रकृति भी हमें यही संदेश देती है कि परोपकार ही सबसे बड़ा धर्म है। युगों–युगों से सूर्य बिना किसी स्वार्थ के पृथ्वी को जीवन देने के लिए प्रकाश देता है। चंद्रमा अपनी किरणों से सबको शीतलता प्रदान करता है, वायु अपनी प्राण–वायु से संसार के प्रत्येक जीव को जीवन प्रदान करती है। वहीं, बादल सभी को जल रूप में अमृत प्रदान करते हैं।

जीव मात्र की सेवा ही ईश्वर की सच्ची सेवा

सच यह है कि स्वयं की उन्नति का, समाज की उन्नति का, विश्व कल्याण का परोपकार ही एक मात्र उपाय है। ईश्वर ने हमें कोई भी वस्तु स्वयं के उपभोग के लिए नहीं दी है, बल्कि इसलिए दी है कि इससे कितने ज्यादा लोगों का भला हो सकता है। परोपकारी मनुष्य ही सच्ची शांति को प्राप्त कर सकता है, स्थायी उन्नति कर सकता है, ईश्वर को प्राप्त कर सकता है और विश्व का कल्याण कर सकता है।

सभी जीवों के साथ मित्रता व दयालुता का व्यवहार करें

गीता में श्रीकृष्ण कहते हैं– ''हे अर्जुन! मैं उन भक्तों को प्यार करता हूँ जो कभी किसी से द्वेष–भाव नहीं रखते, सब जीवों के साथ मित्रता और दयालुता का व्यवहार करते हैं। वे कहते हैं ''ममता रहित, अहंकार–शून्य, दुःख और सुख में एक–सा रहने वाला, सब जीवों के अपराधों को क्षमा करने वाला, सदैव संतुष्ट, मेरा ध्यान करने वाला, विरागी दृढ़ निश्चयी और जिसने अपना मन तथा बुद्धि मुझे समर्पित कर दी है, ऐसे भक्त मुझे अतिशय प्रिय हैं।'' इस प्रकार दुनिया में मानवता से बढ़कर कुछ नहीं है। प्रत्येक प्राणी से प्रेम ही ईश्वर का सच्चा प्रेम

रामचरित मानस में वर्णित है कि ''परहित बस जिन्ह के मन माहीं। तिन्ह कहुँ जग दुर्लभ कछु नाहीं।'' अर्थात् जिनके मन में सदैव दूसरे का हित करने की अभिलाषा रहती है अथवा जो सदा दूसरों की सहायता करने में लगे रहते हैं, उनके लिए सम्पूर्ण जगत् में कुछ भी दुर्लभ नहीं है। इस तरह विश्व के हित व कल्याण की निष्काम कामना व उसके लिए काम करना ही विश्व–प्रेम है। वास्तव में विश्व के प्रत्येक प्राणी से प्रेम करना ही ईश्वर का सच्चा प्रेम है।

विद्यालयों में मानवता का पाठ पढ़ाया जाना चाहिए

यदि विद्यालयों में सम्पूर्ण मानवता की सेवा का पाठ नहीं पढ़ाया गया तो बालक बड़ा होकर जाति–धर्म की भेदभाव भरी दृष्टि लेकर विकसित होगा। ऐसा व्यक्ति परिवार, समाज तथा विश्व को जोड़ने का नहीं वरन तोड़ने में अपनी सारी ऊर्जा व्यर्थ करेगा। विद्यालय द्वारा बालक को सिखाया जाना चाहिए कि यह विश्व मेरा घर तथा इसके समस्त नागरिक मेरे परिवार के सदस्य हैं। इसके साथ ही बालक को संसार को परायी दृष्टि से नहीं वरन कुटुम्ब की तरह सेवा भाव से देखना सिखाया जाना चाहिए ताकि बड़े होकर वे पीड़ित मानवता के कष्टों को दूर करने के लिए अपना जीवन समर्पित कर सके।

सारे जगत से प्रेम करने वाले विश्व नागरिक तैयार करने होंगे

परिवार, स्कूल और समाज, तीनों को मिलकर विश्व के प्रत्येक बच्चे के मन–मस्तिष्क में बचपन से ही इस बात का बीजारोपण करना चाहिए कि ईश्वर एक है, धर्म एक है तथा मानवता एक है। उसी ईश्वर ने इस सारी सशष्टि को बनाया है और वह सारे जगत से बिना किसी भेदभाव के प्रेम करता है। ऐसे ही हम सभी को भी सारे जगत से प्रेम करने के साथ ही मानवतावादी विश्व नागरिक भी तैयार करने होंगे। तभी सारे विश्व में स्थायी शांति एवं एकता की स्थापना भी होगी।

(लेखक जाने–माने शिक्षाविद् हैं।)

सोच, दुनिया बदलने की

–पी. के. खुराना–

'यह है तो कहानी, पर मैं शायद कुछ कम खुशकिस्मत हूं कि मैंने भी यह कहानी बुढ़ापे में आकर सुनी है। काश, मैं इसे तब सुनता जब अभी मैं जवान था।' आज सवेरे सैर करते समय मेरे एक मित्र ने जब मुझे यह कहा तो मैं चौंक गया और उनकी कहानी सुनने की उत्सुकता जाग उठी। मैंने उनसे वह कहानी सुनाने को कहा तो वे बोले, 'गांव के एक घर में एक बूढ़े दादा जी उदास बैठे थे। बड़ा व्यापार था उनका। व्यापार के साथ–साथ ब्याज पर पैसे देने का भी कारोबार था। बड़े ठसक वाले थे। आज उनको उदास देखकर बच्चों को हैरानी हुई। तब बच्चों ने उनसे पूछा, 'क्या हुआ दादा जी, आज आप इतने उदास बैठे क्या सोच रहे हैं?' दादा जी बोले, 'कुछ नहीं, बस यूं ही अपनी जिद दगी के बारे में सोच रहा था!' 'जिद दगी के बारे में? मतलब? आपका भरा–पूरा परिवार है, पोते–पोतियां, सब हैं। पहनने को कपड़े हैं, खाने को भोजन है, रहने को सिर पर छत है। बहुत बड़ा व्यापार है। कमी कहां है, जो आप जैसा आदमी उदास बैठा है?' एक बड़े बच्चे ने उत्सुकता जाहिर की। दादा जी कुछ देर सोचते रहे और फिर बोले, 'जब मैं छोटा था तो मेरे ऊपर कोई जिम्मेदारी नहीं थी, मेरी कल्पनाओं की भी कोई सीमा नहीं थी। मैं दुनिया बदलने के बारे में सोचा करता था। जब मैं थोड़ा बड़ा हुआ, बुद्धि कुछ बढ़ी तो सोचने लगा कि ये दुनिया बदलना तो बहुत मुश्किल काम है, इसलिए मैंने अपना लक्ष्य थोड़ा छोटा कर लिया, सोचा दुनिया न सही, मैं अपना देश तो बदल ही सकता हूं। पर जब कुछ और समय बीता, मैं अधेड़ होने को आया तो लगा ये देश बदलना भी कोई मामूली बात नहीं है।

हर कोई ऐसा नहीं कर सकता है, कम से कम मैं तो नहीं ही कर सकता, चलो मैं बस अपने परिवार और करीबी लोगों को बदलता हूं, पर अफसोस मैं वो भी नहीं कर पाया। और अब जब मैं इस दुनिया में कुछ दिनों का ही मेहमान हूं तो मुझे एहसास होता है कि बस अगर मैंने खुद को बदलने की राह पकड़ी होती तो मैं तो बदलता ही, मुझे देखकर मेरा परिवार भी बदल जाता, और क्या पता उनसे प्रेरणा लेकर कुछ और लोग भी बदल जाते। देश बदलता, या न बदलता, पर हमारे आसपास की दुनिया, जहां हम रहते हैं वहां की दुनिया जरूर बदल जाती।' 'ऐसा आप कैसे कह रहे हैं, दादा जी? आप बदलें या न बदलें, आपको देखकर कोई दूसरा क्यों बदलेगा?' बच्चे ने शंका जाहिर की। दादा जी ने जवाब दिया, 'हम सब हर किसी से कुछ न कुछ सीखते हैं, कुछ प्रेरणा लेते हैं, हम सब का कोई न कोई रोल मॉडल होता है, कोई हीरो होता है, कोई आदर्श व्यक्ति होता है और हम उस जैसा बनना चाहते हैं। यह एक प्राकृतिक बात है। अगर मैं इस छोटी–सी बात को पहले समझ पाता तो शायद मैं ज्यादा खुश होता। शायद क्या, जरूर ही खुश होता।' दादा जी ने कुछ उदासी भरे स्वर में कहा, 'मैं अपने पड़ोसी रमेश जी को देखता हूं। मेरी ही उम्र के हैं। हमेशा खुश रहते हैं, हमेशा मुस्कुराते रहते हैं, खुद भी खुश रहते हैं और दूसरों को भी खुश रखते हैं। किसी की बात का बुरा नहीं मानते। किसी ने कुछ गलत कह दिया तो बड़े मीठे शब्दों में जवाब देते हैं। उनका परिवार ही नहीं, आसपास के लोग भी उनसे कितना प्रेम करते हैं। हम दोनों अच्छे दोस्त हैं। वो हमारे जैसे अमीर नहीं हैं, पर लोग उनके पास बैठना पसंद करते हैं। मेरे पास तो वही आता है जिसे पैसे की जरूरत होती है।' ये कहते–कहते दादा जी की आंखें नम हो गईं और वे धीरे से बोले, 'बच्चो, तुम मेरे जैसी गलती मत करना। कुछ और बदलने की कोशिश न करना, बस खुद को बदलना, बाकी सब अपने आप बदलता चला जाएगा।'

तभी दादा जी के पड़ोसी और उनके दोस्त रमेश जी भी वहां आ गए। सभी बच्चे उन्हें छोटे दादा जी कहकर बुलाते थे। इतने बच्चों को इकट्ठा देखकर एकदम खुश हो गए। उन्हें यूं आया देखकर बच्चे भी खुश हो गए और अब बच्चों ने अगला सवाल उनसे किया, 'छोटे दादा जी, अभी आप ही की बात हो रही थी और दादा जी आपकी प्रशंसा कर रहे थे। दादा जी ने सच ही कहा है कि लोग आपके पास बैठना पसंद करते हैं। आप हमें इसका राज बताइए।' रमेश जी मुस्कुराए और बोले, 'दो बातें ऐसी हैं जो सच हैं, सब पर लागू होती हैं और सब उससे लाभ उठा सकते हैं। पहली बात तो यह है कि हमारी महंगी चीजों से, महलनुमा घर से, बड़ी गाड़ी से, ब्रांडेड कपड़ों के कारण कोई हमसे प्रभावित नहीं होता। लोग देखते हैं, उनकी आंखें हैरानी से और प्रशंसा से फैलती हैं, पर वो उस चीज की प्रशंसा होती है, हमारी नहीं। जब आप किसी की बड़ी गाड़ी देखते हैं तो विचार यही आता है कि काश, आपके पास भी वैसी गाड़ी होती। गाड़ी के अंदर कौन बैठा है, आप उसकी परवाह नहीं करते, उसकी ओर देखते भी नहीं। लोग आपको नहीं देखते, आपकी गाड़ी देखते हैं, जबकि आप इस गलतफहमी में रहते हैं कि लोग आपको देख रहे हैं। लेकिन जब आप किसी से प्रेम करते हैं, किसी की प्रशंसा करते हैं, किसी की हिम्मत बंधाते हैं, किसी के काम आते हैं, तो तब आप रिश्ते बनाते हैं। तब लोग आपको पहचानते हैं।

इस एक फर्क को समझ लें तो दुनिया बदल जाती है। दूसरी बात यह है कि दुनिया हर रोज बदल रही है, नई तकनीक आ रही है, नए आविष्कार हो रहे हैं, काम करने के ढंग बदल रहे हैं। इसलिए हमें हर रोज कुछ न कुछ नया सीखना चाहिए। नया सीखेंगे तो ही नया कर पाएंगे और दुनिया के साथ चल पाएंगे, वरना पीछे रह जाएंगे। मैं तो इस बात का कायल हूं कि सीखना बंद, तो जीतना बंद।' यह सच है कि हम सभी में दुनिया बदलने की ताकत है, पर इसकी शुरुआत खुद से ही होती है। कुछ और बदलने से पहले हमें खुद को बदलना होता है, खुद को तैयार करना होता है, अपनी योग्यता बढानी होती है, अपने दृष्टिकोण को सकारात्मक रखना होता है, अपने साहस को फौलाद करना होता है, और तभी हम वो बदलाव लाने के काबिल हो पाते हैं, जो हम सचमुच लाना चाहते हैं। इसी बात को महात्मा गांधी ने बड़े प्रभावी ढंग से कहा है, 'बी दि चेंज, दैट यू विश टु सी इन दि वर्ल्ड।' यानी, खुद वो बदलाव बनिए जो आप दुनिया में देखना चाहते हैं। हमें याद रखना चाहिए कि हम सुधरेंगे तो युग सुधरेगा, और हम बदलेंगे तो युग बदलेगा। तो चलिए, नए साल के इस पहले हफ्ते में हम प्रण लें कि दुनिया बदलने की चिंता छोड़कर हम खुद को बदलेंगे। जब सब लोग ऐसा करेंगे तो दुनिया खुद–ब–खुद बदल जाएगी। आज से, अभी से हम खुद वो बदलाव बनते हैं जो हम दुनिया में देखना चाहते हैं। दुनिया बदल जाएगी, बदल ही जाएगी।

प्रादेशिक पर्यटन को नए अवतार की जरूरत

–रमेश पठानिया–

हिमाचल के सबसे ज्यादा लोकप्रिय पर्यटन स्थल मनाली में बहुत धूमधाम से नए साल का स्वागत किया गया। हालांकि थोड़ी सावधानी की आवश्यकता थी। विंटर कार्निवल का आयोजन नए साल के आगमन को और भी रुचिकर बना देता है। मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर के सबसे अधिक दौरे इसी घाटी के होते हैं। हिमाचल प्रदेश देश के सबसे सुंदर राज्यों में से एक है। यहां गगनचुंबी देवदार के पेड़ हैं, चाय के बागान हैं, बर्फ से लदी हिमालय की चोटियां हैं, अविरल बहती नदियां हैं, झीलें हैं, प्राचीन मंदिर हैं और शांति है। देश–विदेश के पर्यटकों में यह सबसे लोकप्रिय है। साल के किसी भी मौसम में यहां पर्यटक घूमते मिल जाएंगे। मध ुमास के लिए भी लोग यहां घूमने आते हैं। सर्दियों और गर्मी के मौसम में तो पर्यटकों का सैलाब उमड़ पड़ता है। लेकिन पिछले कई सालों में पर्यटकों के लिए ज्यादा सुविध ाओं का प्रावधान नहीं हुआ है। यहां तक कि हिमाचल पर्यटन के कैफे और होटल वैसे ही जी रहे हैं। कुल्लू का मोनाल कैफे जैसे अस्सी के दशक में था, अब भी वैसा ही है, जबकि पूरे भवन का और विस्तार कर पर्यटकों के लिए और सुंदर बनया जा सकता है। होटल सरवरी, जो बहुत आकर्षक जगह पर है, भूदृश्य की और अच्छे से कल्पना की जा सकती थी। मनाली का होटल ब्यास पता नहीं एक सदी से उदास लगता है। कमरों में वही फर्नीचर, समय के साथ इन्हें सब को बदलने की आवश्यकता शायद प्रदेश का पर्यटन मंत्रालय ठीक नहीं समझता। बिलासपुर का लेक व्यू कैफे कहां बदला है इतने सालों में।

प्रदेश में हिमाचल हॉलिडे होम या एक दो हॉटेल्स को अगर छोड़ दें तो बाकी सब जगह डाक बंगलो से लगने लगती हैं। प्रदेश की आर्थिक स्थिति पर्यटन और फलों पर निर्भर करती है। पर्यटन को और आगे बढ़ाने के लिए सरकार क्या कर रही है, यह इन पर्यटन स्थलों में बने होटलों की स्थिति देख कर अनुमान लगाया जा सकता है। यह सब ज्यादा उत्साहित नहीं करता। नग्गर कैसल शायद सबसे ख़ूबसूरत जगह पर है, ऐतिहासिक भवन, बड़े कमरे, लेकिन कमरों में वही पुराना उम्रदराज फर्नीचर, स्नानगृह में एक–एक पटड़ी, एक बाल्टी, एक मग, और बहुत ही साधारण सब कुछ। जब आप पर्यटकों से अच्छे दाम वसूल कर रहे हैं तो उन्हें सब आराम और सुविधाएं भी दीजिए। सर्दियों में भारी भरकम रजाइयों की जगह कम वजनदार कम्बल और कम्फर्टर का प्रयोग किया जा सकता है। हिमाचल पर्यटन विभाग को विदेशों के हिल स्टेशंस से भी कुछ सीख लेनी चाहिए। मुझे यकीन है कि सरकार के कई आला अधिकारी जो पर्यटन से जुड़े हैं, कई नामी गिरामी पहाड़ी पर्यटक स्थलों पर गए होंगे। हिमाचल में पर्यटन प्रदेश की आर्थिक सम्पदा में 7 प्रतिशत का योगदान देता है। इसे कई गुना बढ़ाया जा सकता है। अगर हम पर्यटकों के लिए अच्छी लक्जरी बसों का इंतजाम करें, बसें हिमाचल सरकार खुद चलाए, किसी को अनुबंध पर न दे, न ही अनुबंध पर किसी निजी ऑपरेटर से बसें किराए पर लेकर चलाए। प्रदेश में 3679 होटल्स हैं। 2019 में करीब 17 मिलियन भारतीय और 383000 विदेशी पर्यटक हिमाचल आए। कोरोना का असर पूरे देश और विश्व की ट्रेवल इकॉनोमी पर पड़ा, तो हमारा प्रदेश कैसे अछूता रहता। अब जबकि पर्यटन धीरे–धीरे खुल रहा है और इन सर्दियों में पर्यटकों का सैलाब हिमाचल की तरफ उमड़ रहा है, प्रदेश सरकार को आने वाले समय के लिए पूरी पर्यटन व्यवस्था को फिर से सोचना होगा, क्योंकि केवल बागवानी से ही प्रदेश के सकल घरेलू उत्पाद को बढ़ाया नहीं जा सकता। हालांकि यह 45 प्रतिशत है, हमें प्रदेश के पर्यटन को शीर्ष पर लाना होगा। कब तक हम हर बात पर केंद्र सरकार से उधार लेते रहेंगे। प्रदेश सरकार को हिमाचल के पौराणिक मंदिरों के दर्शनों के लिए पर्यटकों के लिए अलग से भ्रमण की सुविधाओं के बारे में सोचना होगा। अधिक उम्र के पर्यटकों के लिए आवागमन और ऐसे स्थानों पर आराम से रहने की व्यवस्था करनी होगी। युवा पर्यटकों के लिए, जो ट्रैकिंग, हाईकिंग करना चाहते हैं, उनके लिए स्थानीय गाइड्स को रोजगार के अवसर प्रदान करने होंगे ताकि वह ट्रैकिंग करने में इच्छुक पर्यटकों को न केवल उनके गंतव्य तक ले जा सकें, अपितु प्रदेश में उस जगह के बारे में विस्तृत जानकारी भी दे सकें। यह गाइड सरकार की तरफ से पर्यटकों के लिए मुफ्त उपलब्ध करवाने होंगे। प्रदेश में कई महत्वपूर्ण और ऐतिहासिक झीलें हैं। उनके रखरखाव और उसके आसपास के क्षेत्रों को पर्यटकों की सुविधा के लिए विकसित करना होगा, ताकि लोग आसानी से वहां समय व्यतीत कर सकें, प्राकृतिक सम्पदा को कोई नुक्सान पहुंचाए बगैर। छोटे–छोटे पर्यटक विश्राम स्थल और प्राकृतिक छटा को निहारने के लिए विशेष पॉइंट्स का निर्माण करना होगा। पहाड़ से लुप्त हो रही काठ कुणी भवन निर्माण कला को प्रदेश का पर्यटन विभाग जीवित रख सकता है।

काठ कुणी भवन निर्माण कला में छोटे–छोटे कैफे और हट्स बना कर। हिमाचल प्रदेश में शिमला, किन्नौर और कुल्लू तथा मंडी में अगर प्राचीन भवन निर्माण कला में यह सब बनाया जाएगा तो पर्यटकों को देखने में अलग आनंद प्रदान करेगा। प्रदेश में प्रचलित सभी तरह के खाने धीरे–धीरे इन जगहों पर उपलब्ध करवाने होंगे। धाम और सिड्डू के सिवाए भी। पर्यटन विभाग को योग और ध्यान के लिए अपने होटल्स में व्यवस्था करनी चाहिए ताकि अधिक से अधिक लोग प्रकृति की गोद में योग कर सकें। प्रदेश के स्थानीय योग शिक्षकों को रोजगार के अवसर प्रदान किए जा सकते हैं। शिमला, कुल्लू, किन्नौर, मंडी में अधिक से अधिक योग और ध्यान केंद्र पर्यटन विभाग खोल सकता है। इससे पर्यटन विभाग को अतिरिक्त आय होगी और पर्यटकों को स्वास्थ्य लाभ भी होगा। जो लोग लम्बे समय तक इन जगहों पर रहना चाहें, उन्हें खढास रियायत दी जानी चाहिए, यूरोपियन देशों की तरह। इन होटल्स के पास सरकार सब सुविधाओं से युक्त छोटे कॉटेज बना सकती है जिनमें कला, रचनात्मक और संबंधित जगत के लोग आकर एकांत में रह सकें तथा लेखन, पेंटिंग्स या दूसरी विधाओं जिनसे वह जुड़े हैं, शांतिपूर्वक काम कर सकें। हिमाचल सरकार को पर्यटन को और बढ़ावा देने के लिए कला स्थली जैसे विकल्प भी बनाने होंगे। युवाओं और बैकपैकर्स के लिए आधुनिक सुविधाओं से लैस यूथ हॉस्टल बनाने होंगे ताकि ज्यादा से ज्यादा युवा कम खर्च में पर्यटन का आनंद ले सकें। पूरी पर्यटन नीति पर फिर से सोचने की जरूरत है। हिमाचल सरकार सक्षम है, यह सब करने में।

सात जनवरी को होने वाला जन सम्मेलन लाएगा बड़ा बदलाव, नन्दिता शुक्ला

अवध की आवाज ब्यूरो

कहोबा चौराहा गोंडा। आगामी सात जनवरी को समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष व पूर्व मुख्यमन्त्री अखिलेश यादव के आगमन को ले कर जन सम्पर्क अभियान चला कर मेहनवन की पूर्व विधायक नन्दिता शुक्ला ने होने वाले सम्मेलन में भाग लेने के लिए जनता से अपील की है । समाजवादी पार्टी से तीन बार मेहनवन की विधायक रह चुकीं नन्दिता शुक्ला इस बार चुनाव में अपने बेटे राहुल शुक्ला के लिए जनता से समर्थन की मांग कर रही हैं। इसके लिए चलो बूथ की ओर कार्यक्रम के तहत विधान सभा के कई ग्रामों में चौपाल और बैठकों का आयोजन निरन्तर किया जा रहा है। न्याय पंचायत रेतवागाड़ा के त्रिभुवन नगर अंतर्गत मदार बक्सपुरवा में जीत बहादुर वर्मा की अगुवाई में बैठक व चलो बूथ की ओर तथा आशीर्वाद यात्रा संचालन किया गया। कार्यक्रम को पूर्व विधायिका ने सम्बोधित करते हुए कहा की जिस तरह क्षेत्र की जनता ने स्वर्गीय शुक्ल को अपना समर्थन दे कर सेवा करने का मौका दिया और उन्होंने क्षेत्र के विकास के लिए हर सम्भव प्रयास किया चाहे वो शिक्षा के क्षेत्र में हो अथवा बिजली सड़क जैसी मूल भूत सुविधाओं से जुडी समस्या रही हो उन्होंने पूरी तन्मयता से काम किया क्षेत्र की बालिकाओं को शिक्षा ग्रहण करने के लिए य तो जिले में दाखिला लेना पड़ता था य फिर सामान्य रूप से संचालित विद्यालयों में पढ़ना पड़ता था, उन्होंने बालिकाओं को शिक्षित करने के लिए जो अलख जगाई थी उसी को मूर्त रूप देने आज मुजेहना सहित अन्य क्षेत्रों में बालिका इंटर कालेज संचालित हो रहे हैं उन्ही की देन है की आज तामाम वंचित क्षेत्रों में बिजली के उपकेन्द्र तैयार हो कर गाँवों को रोशन कर रहे हैं, इसी कार्यक्रम के दौरान मदार बक्स पुरवा के पन्द्रह घरों की बस्ती में ट्रांसफार्मर ना होने से बिजली की आपूर्ति बाधित होने की बात सामने आई है उन्होंने आश्वासन दिया है की अधिकारियों से बात करके वहां ट्रांसफार्मर की दिक्कत दूर करने की कोशिश की जायेगी। इस आशीर्वाद यात्रा में स्वर्गीय घनश्याम शुक्ल के चित्र वाला कैलेंडर लोगों में वितरित किया गया, चलो बूथ की ओर के इस कार्यक्रम में करीबी नेता राहुल शुक्ला के प्रति लोगो का उत्साह देखने को मिला वहीं दूसरी तरफ पूर्व विधायिका के मिलन सार व्यक्तिवत से लोग खासा प्रभावित दिखे, आगामी सात जनवरी को पूर्व मुख्यमन्त्री अखिलेश यादव गोंडा के टामसन मैदान में आ रहे हैं उन्होंने सपा के सभी कार्यकर्ताओं से अपील की है ज्यादा से ज्यादा संख्या में कार्यक्रम में पहुंच कर उनके विचारों को सुने और अपना समर्थन प्रदान करें।

कदौरा में नवागंतुक निरीक्षक ने संभाला थाने का चार्ज स्टाप को दिए सख्त निर्देश

अपराध नियंत्रण कर जनशिकायतों का निस्तारण ही मेरी पहली प्राथमिकता

अवध की आवाज ब्यूरो

कदौरा,जालौन। पुलिस अधीक्षक द्वारा कई निरीक्षक व उपनिरीक्षो के स्थानान्तरण के सिलसिले में कदौरा थाने पहुंचे नवागंतुक प्रभारी निरीक्षक उमाकांत ओझा द्वारा चार्ज ग्रहण करने के उपरांत समस्त पुलिस स्टाफ का हालचाल जाना इसके उपरांत उप निरीक्षकों की बैठक लेकर लंबित पड़ी विवेचना को शीघ्र निस्तारण करने के कड़े निर्देश दिए।

मंगलवार की रात थानों में हुई फेर बदल के निर्देश होते ही बुधवार की सुबह नवागंतुक निरीक्षक उमाकांत ओझा द्वारा चार्ज ग्रहण कर थाने में समस्त स्टाप का परिचय लिया व उपनिरीक्षको की बैठक करते हुए कहा कि जो आप लोगों को जिम्मेदारी सौंपी जाएगी उस जिम्मेदारी में सभी लोग खरे उतर कर अपने दायित्वो का बखूबी से निर्वाहन करेंगे। उन्होंने साथ में यह भी निर्देश दिए जिनके पास लंबित विवेचना चल रही है विवेचनो को शीघ्र निस्तारण करके वांछित अभियुक्तों को जेल के सलाखों में भेजना सुनिश्चित करें इतना भी नहीं जिन उप निरीक्षकों के पास अधिकारियों के द्वारा भेजे गए शिकायती पत्र तथा तहसील दिवस एवं थाना दिवस के लंबित शिकायती पत्र यदि है तो उक्त शिकायत पत्रों को मौके में जाकर निस्तारण करते हुए अपनी जांच आख्या सहित संबंधित पटल में प्रस्तुत करें साथ में उन्होंने यह भी निर्देश दिए जिन उप निरीक्षकों को जो जिम्मेदारी क्षेत्रीय नगर के मोहल्लों की दी गई है वह अमन शांति स्थापित कराने में कोई भी कोर कसर न छोड़ें जिनके क्षेत्र में कोई भी अपराध हुआ तो ऐसे हलका इंचार्ज उप निरीक्षकों को मैं किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं करूंगा साथ में उन्होंने कहा यदि कहीं कोई भी समस्या आती है तो मुझे तत्काल बताएं मैं आपके साथ चल करके उक्त समस्या को हल कराना मेरी पहली प्राथमिकता होगी और आप लोग किसी के दबाव में अपने कार्य को अंजाम न दे जो सही कार्य है उस कार्य को करने में सदा तत्पर रहें वहीं मौजूद सभी स्टाफ को आश्वासन देते हुए कहा कि मेरे रहते हुए किसी पुलिस स्टाफ को कठिनाइयों का सामना नहीं करना पड़ेगा मैं उनकी सेवा में सदैव तत्पर रहूंगा साथ ही क्षेत्र में अपराध नियंत्रण रखते हुए जनसमस्याओं का निस्तारण करना मेरी पहली प्राथमिकता रहेगी एव कहा कि अपराधियों को किसी भी सूरत में बख्सा नःही जाएगा मौके पर स्टाफ के सभी उपनिरीक्षक कांस्टेबिल मौजूद रहे।

कड़ाके की ठंड में भी अलाव की व्यवस्था नहीं

अवध की आवाज ब्यूरो

कहोबा चौराहा गोंडा। इस समय पढ़ रहे कड़ाके की ठंड के बावजूद भी क्षेत्र में कहीं भी अलाव की व्यवस्था नहीं है। जिससे लोग ठंड से कांप रहे हैं आपको बताते चलें कि लगभग 15 दिनों से गलन की वजह से पड़ रही कड़ाके की ठंड से मोतीगंज थाना क्षेत्र के कहीं भी अलाव की व्यवस्था नहीं की गई है। जिससे क्षेत्र के लोग कड़ाके की ठंड को कहने को मजबूर बता दें कि हर वर्ष प्रशासन की तरफ से क्षेत्र में अलाव की व्यवस्था की जाती थी लेकिन इस वर्ष अलाव की व्यवस्था नहीं की गई है मोतीगंज क्षेत्र में प्रथमा यूपी ग्रामीण बैंक पोस्ट ऑफिस आयुर्वेदिक चिकित्सालय पीएचसी तथा पशु चिकित्सालय भी है जहां पर क्षेत्र के लोग हमेशा आते जाते रहते हैं और अलाव की व्यवस्था ना होने से लोग ठंड से कांपते रहते हैं। यहां पर

मोतीगंज रेलवे स्टेशन भी है जहां पर ट्रेन पकड़ने के लिए घंटों पहले यात्री आ जाते हैं लेकिन अलाव की व्यवस्था ना होने से लोग काफी परेशान होते हैं क्षेत्र के लोगों ने प्रशासन से मोतीगंज क्षेत्र में अलाव की व्यवस्था कराए जाने की मांग की है।

महिलाए किसी भी क्षेत्र में कमजोर नही है बस जरूरत है तो परिवार और सरकार के सपोर्ट की

अवध की आवाज ब्यूरो

उरई। महिलाए किसी भी क्षेत्र में कमजोर नही है बस जरूरत है तो परिवार और सरकार के सपोर्ट की। इसके लिए केंद्र और राज्य सरकार भी बड़े कदम उठा रही है। अब महिलाओं को पुरुषों के साथ

कंधे से कंधा मिलाकर आगे बढ़ाने की है। वैसे भी हर क्षेत्र में महिलाओं की भागीदारी बढ़ती जा रही है। उपरोक्त विचार उत्तर उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग की सदस्य अंजू प्रजापति ने जनपद जालौन के डकोर विकासखंड के ग्राम टिमरो के सुदर्शन पुस्तकालय एवं वाचनालय परिसर में अनुरागिनी संस्था द्वारा आयोजित श्रमिक पंजीयन मेला में मुख्य अतिथि के रूप में व्यक्त किए उन्होंने कहा कि असंगठित क्षेत्र की महिलाओं के लिए राज्य सरकार द्वारा लाभकारी योजना संचालित है उनका पंजीयन होना आवश्यक है तभी उन को सीधा लाभ मिल सकेगा मुख्य अतिथि ने गांव की महिला श्रमिको को कंबल एवम् छड़ी वितरित की अनुरागिनी संस्था के अध्यक्ष डॉ प्रवीण सिंह जादौन ने बताया कि बुंदेलखंड महापरिषद के संस्थापक कुंवर सुदर्शन सिंह जादौन की चतुर्थ पुण्यतिथि के अवसर पर श्रमिक पंजीयन मेला में 300 श्रमिक पंजीयन कराया गया प्रतिवर्ष पंजीकरण होने से गांव में श्रम विभाग की योजनाओं का सीधा लाभ ग्रामीण जनों को मिल पाता है जिला महिला कल्याण अधिकारी अल्कम्मा अख्तर ने महिला कल्याण विभाग द्वारा महिला कल्याण विभाग द्वारा योजनाओं की जानकारी दी जिसमें घरेलू हिंसा जिसमें घरेलू हिंसा पारिवारिक विवाद दहेज उत्पीड़न के बारे में बताया जिला मिशन शक्ति की प्रभारी मधु यादव महिला थाना प्रभारी पूनम यादव ने महिलाओ को छेड़खानी मोबाइल पर गलत संदेश भेज जाने पर जागरूक किया। उन्होंने बताया की उत्तर प्रदेश सरकार ने 112 नंबर को समस्त इमरजेंसी सेवाओं के नंबरों से जोड़ दिया है महिलाएं जरूरत पड़ने पर इस नंबर को डायल कर अपनी समस्या का समाधान पा सकती हैं। सहकार भारती पैक्स प्रकोष्ठ के संयोजक सतीश सिंह सेंगर ने कहा कि असंगठित क्षेत्र श्रमिको के लिए अनुरागिनी। संस्था विगत २० वर्षो से कार्य कर रही है नाबार्ड के प्रतिनिधि ज्ञान सिंह चंदेल ने महिलाओ को वित्तीय साक्षरता की जानकारी दी सहकार भारती के उपेंद्र सिंह राजावत राहुल राज प्रजापति शिवराज सिंह परिहार राजेंद्र सिंह भदौरिया जगत नारायण कुशवाहा ब्रह्मानंद खरे अमित कुलश्रेष्ठ सत्येंद्र भदौरिया ब्रजेश कश्यप राहुल समाधिया कुंदन सिंह लक्ष्मी

राजपूत सत्यम मिश्रा समर सिंह चौहान विक्रम सिंह कुशवाहा हेमंत सिंह यादव श्याम करण प्रजापति डॉ अरविंद सिंह यादव बुंदेलखंड महापरिषद के डॉ अनुज भदौरिया नरेश सिंह जादौन सत्यम मिश्रा ने सभी श्रमिको के पंजीकरण में सहयोग किया।

शाहपुर से सिंगारजोत मार्ग का हुआ शिलान्यास... जनता मे खुशी का माहौल

अवध की आवाज ब्यूरो

सिद्धार्थनगर। भारतीय जनता पार्टी के द्वारा गुरुवार को शाहपुर से सिंगारजोत मार्ग का शिलान्यास किया जो दो विधानसभा के अन्तर्गत आता है गुरुवार को वही डुमरियागंज विधायक राघवेंद्र प्रताप सिंह तो वहीं इटवा विधायक डाक्टर

सतीश चंद्र द्विवेदी के द्वारा 4520. 83 लाख रूपये के लागत से ,22 किलोमीटर सड़क का शिलान्यास किया वहीं डुमरियागंज विधायक ने कहा कि मुझे कलकत्ता नहीं बनाना है जहाँ रोहगिया मुसलमानों ने मतदाताओं को चाकू भोक दिया था इस बार भी भारतीय जनता पार्टी पूर्ण बहुमत से सरकार बनाने जा रही है। वहीं डाक्टर सतीश चंद्र द्विवेदी बेसिक शिक्षा मंत्री ने कहा कि मै जनता का 24 घण्टे का सेवक हूँ मैने आज अपने इटवा विधानसभा क्षेत्र के जनता के लिए हमेशा एक सेवक के रूप मे तत्पर रहूँगा वहीं उनके भाषण के दौरान सपा और बसपा पर भी तीखावार किया कहा कि ये पार्टियां सिर्फ सम्प्रादियकता फैलाती है। मै एक इटवा विधानसभा का बेटा हूँ और बेटा बनक ही पूरी जिन्दगी सेवा करता रहूंगा वहीं जनता को सम्बोधन करते हुए कहा कि लोग इस इटवा को नहीं जानते थे जब कभी हम अपने पत्नी के साथ इस रास्ते पर आता था तो मेरी पत्नी कहती थी कि अगर कहीं इस रास्ते पर मेरी मा शादी के लिए आती तो शायद यहाँ मेरी विवाह नहीं होती तो हमें काफी दुख होता था तभी मैंने अपने मन मे सोच लिया था कि अगर यहाँ की जनता कभी हमें यहाँ की स्थिति को सुधारने का मौका दिया तो मै इटवा को इटावा बना दूगा जिसके बाद इटवा की जनता से जो प्यार स्नेह हमें मिला मै पूरी जिन्दगी एक सेवक के भांति सेवा करता रहूंगा और मै फिर वादा करता हूँ। इस बार भी भारती जनता पार्टी की सरकार पूर्ण बहुमत की सरकार होगी।

राघव ने मडोरी सेक्टर के दर्जनों गांवों में जनसंपर्क बतायी समाजवादी पार्टी की नीतियां

और बूथ प्रभारियों के आवास पर पार्टी का झंडा और नेम प्लेट लगा किया सम्मानित

कालपी,उरई। कालपी विधानसभा क्षेत्र से समाजवादी पार्टी से प्रबल दावेदार राघव अग्निहोत्री ने क्षेत्र में निरंतर जारी जनसंपर्क अभियान दौरान आज तूफानी जनसंपर्क करते हुये बूथ प्रभारियों के सम्मान कार्यक्रम के तहत कालपी

विधानसभा क्षेत्र के जालौन ब्लॉक के सेक्टर मडोरी में बूथ प्रभारियों के आवास पर जाकर उनको अंगवस्त्र भेंट कर सम्मानित किया और उनके आवास पर पार्टी का झंडा लगाया और बूथ प्रभारीयो के आवास पर उनके नाम की नेम प्लेट लगाई !और क्षेत्र में समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय नेतृत्व के आवाहन पर और जिलाध्यक्ष नबाब सिंह यादव के निर्देशानुसार आज क्षेत्र में दर्जनों गांवों में जाकर लोगों को समाजवादी पार्टी से जोड़ा और सैकड़ों घरों में समाजवादी पार्टी का झंडा लगाया और लोगों को समाजवादी पार्टी की नीतियों के बारे में विस्तार से जानकारी दी और आगामी विधानसभा चुनाव में समाजवादी पार्टी की सरकार बनाने की अपील की राघव अग्निहोत्री ने आज जनसंपर्क और बूथ प्रभारियों के सम्मान एवं झंडा और नेम प्लेट लगाते हुये आज क्षेत्र में लोगों को समाजवादी पार्टी की नीतियों के बारे में विस्तार से जानकारी दी!और ग्राम गधेला में बूथ प्रभारी बृज मोहन भदौरिया, ग्राम ऊद में सत्यवान नागर, ग्राम रनियां में उदित नरायण, अश्वनी पाल, शेखपुर बुजुर्ग में शिंभू सिंह दीपू,राजेन्द्र सिंह सेंगर,जगराम सिंह,ग्राम मडोरी में संतराम प्रजापति, अनिल कुमार और सेक्टर प्रभारी मडोरी राजू सेंगर व उपस्थित सैकड़ों लोगों को सम्मानित कर बूथ प्रभारियों और कार्यकर्ताओं को सम्मानित कर झंडा और नेम प्लेट लगायी, इस मौके पर मुख्यरूप से जिला सचिव युवजन सभा श्यामदीप मिश्रा,दीपू सेंगर, प्रदीप यादव,सुरजीत सिंह,बृजेन्द्र कुमार,शिव सिंह सुशील मिश्रा,आदेश पाल, व आशीष यादव,अनुराग दुबे,बाबू सिंह, अनूप सिंह यादव,नरायण सिंह,विकास यादव,पल्लू अवस्थी, बहादुर पाल,छोटे दुबेदी, राकेश सैनी, शिवम दुबे,प्रशांत तिवारी,कृष्ण कुमार,शिवम कुशवाहा,सत्यम तिवारी,अमन तिवारी सन्दी,श्याम जी यादव,इमरान खान,संजय शर्मा,समेत सैकड़ों लोग मौजूद रहे।

धनौरा में चोरों ने धावा बोलकर नगदी समेत जेवरात किये पार

अवध की आवाज ब्यूरो

उरई, जालौन। कोंच कोतवाली क्षेत्र के ग्राम धनौरा में रात के अंधेरे में चोरों ने एक घर में धावा बोलकर नगदी समेत सोने चांदी के जेवरात पार कर दिये प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम धनौरा निवासी पूरन सिंह कुशवाहा अपने परिवार सहित ग्राम देवगांव में भी स्थित अपने घर आये हुए थे। और घर पर उनकी पत्नी कुसुमा देवी ही अकेली मौजूद थी तभी बुधवार को तड़के करीब 4 बजे छत के रास्ते अज्ञात चोर बगैर दरवाजे युक्त सीढ़ियों से घर में नीचे उतर आये और कुसुमा देवी के गहरी नींद में होने का फायदा उठाकर चोरों ने कमरे का ताला तोड़ दिया।कमरे में रखे एक बड़े बक्शे का ताला तोड़कर उसके अंदर रखे छोटे बक्शे को चोर अपने साथ लेकर भाग गये।पूरन ने बताया कि बक्शे में 70 हजार

रुपए नगदी सहित सोने चांदी के तमाम जेवर रखे हुए थे जो चोर अपने साथ ले गये।उक्त घटना को लेकर पीड़ित पूरन ने पुलिस को प्रार्थना पत्र देकर रिपोर्ट दर्ज किए जाने की मांग की है। वहीं पुलिस ने मौके पर पहुंचकर छानबीन की है।

आयुष आपके द्वार कार्यक्रम के तहत लगाया गया स्वास्थ्य शिविर

अवध की आवाज ब्यूरो

उरई,जालौन। आयुष आपके द्वार योजना के तहत कोंच क्षेत्र के ग्राम रामपुर सनेता में बुधवार को राजकीय आयुर्वेदिक चिकित्सालय अंडा के तत्वावधान में एक दिवसीय स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया।शिविर की शुरुआत राजकीय आयुर्वेदिक चिकित्सालय अंडा की प्रभारी डॉ अभिलाषा सिंह ने भगवान धन्वंतरि के चित्र पर दीप प्रज्वलन व पुष्प अर्पित कर की।शिविर में ग्राम रामपुर सनेता समेत आसपास के अन्य कई ग्रामों के कुल 157 रोगियों ने अपने अपने रोगों की जाँच करायी जिसके उपरांत सभी रोगियों को निःशुल्क औषधियां वितरित की गयीं।कमजोर प्रतिरक्षण के रोगियों को आयुरक्षा किट बाँट कर आयुर्विद्या के बारे में बताया गया। इस दौरान डॉ अभिलाषा ने रोगियों को सर्दी के मौसम में खानपान से लेकर योग आदि के बारे में जानकारियां दी। उन्होंने संक्रामक बीमारियों से बचाब हेतु फुल कपड़े पहनने, पानी जमा न होने देने, साफ सफाई रखने, मच्छरदानी का उपयोग करने की सलाह दी। वहीं कोरोना की संभावित तीसरी लहर से बचाब हेतु कोरोना टीका की दोनों डोज लगवाने,मुंह पर घर से बाहर निकलते समय सदैव मास्क लगाकर रखने, सोशल डिस्टेंस का पालन करने हेतु ग्रामीणों को जागरूक किया।शिविर की व्यवस्था में पूर्व ब्लॉक प्रमुख गोविंद नकटेला,डॉ केशवनाथ सिंह, मोहित पटेल, अखिलेश कुमार, बाबूराम,राजेन्द्र सिंह, महेंद्र,गणेशराम, श्यामबाबू आदि संलग्न रहे।

अब सात दिन में खत्म कर, सकते हैं होम आइसोलेशन

केन्द्र सरकार ने लक्षणविहीन व माइल्ड मरीजों के लिए जारी की नई गाइडलाइन, प्रदेश में होगी लागू

अवध की आवाज ब्यूरो

लखनऊ। केन्द्र सरकार ने कोरोना के लक्षणविहीन और हल्के–फुल्के लक्षण वाले मरीजों के लिए होम आइसोलेशन की अवधि कम कर दी है। अब इन दोनों श्रेणी के मरीज सात दिन में अपना होम आइसोलेशन खत्म कर सकते हैं। अपर मुख्य सचिव– चिकित्सा शिक्षा व स्वास्थ्य अमित मोहन प्रसाद ने बुधवार को बताया कि केन्द्र सरकार की गाइडलाइन प्राप्त हुई है जिसे प्रदेश में भी लागू किया जाएगा। होम आइसोलेशन की संशोधित गाइडलाइन के मुताबिक कोरोना के लक्षणविहीन मरीज व हल्के–फुल्के लक्षण वाले मरीजों को सात दिन आइसोलेट रहने पर डिस्चार्ज किया जा सकता है। सात दिन तक आइसोलेशन में रहने के बाद इन मरीजों को दोबारा कोविड टेस्ट कराने की भी जरूरत नहीं होगी।

गाइडलाइन में लक्षणविहीन उन मरीजों को माना गया है जिनका कोविड टेस्ट तो पाजिटिव आया हो लेकिन उनमें बुखार, खांसी टाइप के कोई लक्षण न हों। हल्के–फुल्के (माइल्ड) लक्षण वाले मरीज उन्हें कहा जाएगा जो खांसी, बुखार के लक्षण वाले होंगे लेकिन दोनों श्रेणी के मरीजों का आक्सीजन लेवल 93 से कम नहीं होना चाहिए।

मरीज बढ़े पर भर्ती होने वालों की संख्या नगण्य

अपर मुख्य सचिव ने बताया कि निश्चित तौर पर प्रदेश में कोरोना के मरीजों की संख्या बढ़ी है लेकिन ज्यादातर होम आइसोलेशन में इलाज करवा रहे हैं। उन्होंने बताया कि बीते 24 घंटों में प्रदेश में 2038 कोरोना पाजिटिव मरीज मिले हैं लेकिन इनमें अस्पताल में भर्ती होने वाले मरीजों की संख्या नगण्य है। इससे साफ है कि संक्रमण तीव्र नहीं है। हालांकि उन्होंने प्रदेशवासियों को कोरोना प्रोटोकॉल्स का पालन करने की हिदायत दी।

पंजीकृत निर्माण श्रमिक शीघ्र करा लें कोविड वैक्सीनेशन व बनवा लें आरोग्य कार्ड–योगेश दीक्षित

अवध की आवाज ब्यूरो

गोंडा। श्रम प्रवर्तन अधिकारी गोंडा योगेश दीक्षित ने उप्र भवन एवं अन्य संनिर्माण कर्मकार कल्याण बोर्ड के अंतर्गत पंजीकृत समस्त श्रमिकों से अपील की है कि कोविड–19 महामारी की त्रासदी से निजात पाने के लिए अपने आधार कार्ड अथवा पहचान पत्र के साथ अपने नजदीकी सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र या प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र पर जाकर कोविड टीकाकरण की डोज लगवा लें। उन्होंने कहा कि कोविड–19 महामारी से बचाव एवं आपकी सुरक्षा के दृष्टिगत कोविड टीकाकरण कराया जाना अति आवश्यक है। पंजीकृत निर्माण श्रमिकों का माननीय मुख्यमंत्री जी की घोषणा के अनुपालन में आरोग्य कार्ड भी बनाया जा रहा है जिस पर उनको 5 लाख तक का चिकित्सा लाभ निशुल्क प्राप्त होगा, जिसके प्रथम चरण में 22 हजार श्रमिकों का आरोग्य कार्ड बनना है। जिनका कार्ड बनना है उनकी सूची सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों व प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों पर कार्य कर रहे आरोग्य मित्रों के पास उपलब्ध है। इसलिए सभी पंजीकृत निर्माण श्रमिकों से अपील की जाती है कि वे निकट के स्वास्थ्य केंद्र पर जाकर सूची में नाम होने

की दशा में अपना आरोग्य कार्ड तुरंत बनवा लें जिससे बीमारी के समय उनको चिकित्सा सहायता प्राप्त हो सके।

प्रधानमंत्री मोदी की सुरक्षा में चूक राहुल गांधी की साजिश : रवींद्र कुशवाहा

अवध की आवाज ब्यूरो

बलिया, (वेब वार्ता)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सांसद रवींद्र कुशवाहा ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के पंजाब दौरे पर उनकी सुरक्षा में हुई चूक मामले को कांग्रेस नेता राहुल गांधी की साजिश करार दिया और कहा कि भाजपा शासित राज्यों में कांग्रेस नेता को दाखिल नहीं होने दिया जाएगा। सलेमपुर सीट से भाजपा सांसद कुशवाहा ने बुधवार रात जिले के बिल्थरारोड क्षेत्र में संवाददाताओं से बातचीत में आरोप लगाया, 'पंजाब में कल जो हुआ उसके सूत्रधार राहुल गांधी हैं। पंजाब में कांग्रेस की सरकार है तो हमारे प्रधानमंत्री के साथ ऐसा व्यवहार हुआ। उत्तर प्रदेश समेत देश के 18 राज्यों में भाजपा की सरकार है। अब हम इनमें से किसी भी राज्य में राहुल गांधी को प्रवेश नहीं करने देंगे। उन्होंने कहा कि इस मामले पर कांग्रेस नेता बयान देकर जिस तरह से आंदोलनकारियों को सही ठहरा रहे हैं वह निंदनीय है। गौरतलब है कि बुधवार को पंजाब में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का काफिला जब हुसैनीवाला क्षेत्र में एक फ्लाईओवर पर पहुंचा तभी कुछ प्रदर्शनकारियों ने सड़क को अवरुद्ध कर दिया। प्रधानमंत्री कुछ देर तक वहीं फंसे रहे जिसके बाद उनके काफिले ने वापस लौटने का निर्णय किया। इसे प्रधानमंत्री की सुरक्षा में एक बड़ी चूक के तौर पर देखा जा रहा है। गृह मंत्रालय ने इस पर कड़ा संज्ञान लिया है।

रिजर्व पुलिस लाइन गोण्डा में भव्य दीक्षांत परेड समारोह का हुआ आयोजन

वर्दी का सपना हुआ पूरा, पद एवं गोपनीयता तथा कर्तव्यनिष्ठा, ईमानदारी और निष्पक्षता की शपथ लेकर 197 आरक्षी हुए जनसेवा को तैयार

अवध की आवाज ब्यूरो

गोंडा। पुलिस अधीक्षक गोंडा संतोष कुमार मिश्रा के निर्देशन में संचालित 197 रिक्रूट आरक्षियों के 6 माह के प्रशिक्षण सत्र के समापन पर दिनांक 05/01/2022 को रिजर्व पुलिस लाइन गोंडा में भव्य दीक्षांत परेड का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पुलिस अधीक्षक गोंडा संतोष कुमार मिश्रा के आगमन पर सर्वप्रथम परेड द्वारा सलामी दी गई। तत्पश्चात मुख्य अतिथि पुलिस अधीक्षक ने परेड का निरीक्षण कर मान प्रणाम ग्रहण किया तथा रिक्रूट आरक्षियों द्वारा पूर्ण साज–सज्जा व उत्साह के साथ टोलीवार मार्च पास्ट किया गया । तत्पश्चात पुलिस अधीक्षक गोंडा ने समस्त रिक्रूट आरक्षियों को पद एवं गोपनीयता के साथ सदैव सत्यनिष्ठा, ईमानदारी एवं निष्पक्षता से जनसेवा करने की शपथ दिलाई। पुलिस अधीक्षक ने पुलिस परिवार से जुड़ने पर उनके उज्जवल भविष्य की कामना भी की।दीक्षांत समारोह में प्रशिक्षण के दौरान आंतरिक व वाह्य विषयों

की परीक्षाओं में मानसिक एवं शारीरिक दक्षता के बेहतर प्रस्तुतीकरण के लिए रिक्रूट आरक्षी समर पाल वर्मा को सर्वांग सर्वोत्तम पुरस्कार, वाह्य विषयों, शारीरिक प्रशिक्षण तथा साक्षात्कार में रिक्रूट आरक्षी आकाश को व अन्य रिक्रूट आरक्षियों को विभिन्न विषयों में प्रथम स्थान प्राप्त करने पर ट्राफी व प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। दीक्षांत परेड के दौरान प्रथम परेड कमांडर शैलेश कुमार, द्वितीय परेड कमांडर अभय कुमार व तृतीय परेड कमांडर बृजेश कुमार पटेल रहे।अपर पुलिस अधीक्षक गोंडा ने पुलिस अधीक्षक सन्तोष कुमार मिश्रा को स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी गोंडा शशांक त्रिपाठी, अपर पुलिस अधीक्षक शिवराज, क्षेत्राधिकारी लाइन मुन्ना उपाध्याय, प्रतिसार निरीक्षक यशवंत प्रताप सिंह, प्रशिक्षक, आईटीआईध्पीटीआई, अन्य पुलिस अधिकारीध्कर्मचारीगण व रिक्रूट आरक्षियों के परिजन उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय परिषद की मीटिंग में लघु एवं मझोले वर्ग की समस्याओं पर हुई चर्चा

अवध की आवाज ब्यूरो

कानपुर महानगर। एसोसियेशन ऑफ स्मॉल एण्ड मीडियम न्यूजपेपर्स ऑफ इण्डिया की राष्ट्रीय परिषद् की मीटिंग वर्चुअल माध्यम से आयोजित की गई। बैठक की अध्

यक्षता एसोसियेशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष केशव दत्त चन्दोला ने की। वर्चुअल मीटिंग में देश के कई राज्यों से पदाधिकारीगण व सदस्यगण शामिल हुए और अपने–अपने विचार रखे। इस अवसर पर राष्ट्रीय अध्यक्ष सहित मीटिंग में सहभाग करने वाले पदाधिकारियों ने सर्व प्रथम श्री बी0 आर0 कुमार को श्रद्धाँजलि दी और श्री कुमार के देहावसान को एसोसिएशन के लिये अपूर्णीय क्षति बताया।

मीटिंग में लघु एवं मझोले वर्ग के समाचारपत्रों की समस्याओं पर चर्चा की गई और डीएवीपी विज्ञापन पालिसी–2020 की खामियों को दूर करवाने की मांग रखी गई। देशभर के कई राज्यों से शामिल हुए

पदाधिकारियों ने अपने–अपने राज्यों के समाचारपत्रों के सामने आ रही समस्याओं को सामने रखा। डीएवीपी की विभागीय कार्यशैली के प्रति नाराजगी जाहिर की और कहा कि बी ओ सी की कार्यशैली से लघु एवं मझोले वर्ग के समाचार पत्रों की विकासदर प्रभावित हो रही है। इतना ही नहीं लघु एवं मझोले समाचारपत्रों को बी ओ सी द्वारा नियम–कायदों के नाम पर बहुत परेशान किया जा रहा है जो कि निन्दनीय है। समस्याओं को सुन राष्ट्रीय अध्यक्ष केशव दत्त चन्दोला ने आश्वासन दिया कि समाचारपत्रों की समस्याओं से सूचना एवं प्रसारण मन्त्रालय, भारत सरकार एवं डीएवीपी (बीओसी) को अवगत कराया जायेगा और उनका उचित हल निकालने की बात रखी जायेगी।

वर्चुअल मीटिंग में उप्र से श्याम सिंह पंवार, डी0 के0 मैथानी, अतुल दीक्षित, महाराष्ट्र से अप्पा साहिब पाटिल, गोरख तावरे, जितेन्द्र जोगड़, राजस्थान से डॉ0 अनन्त शर्मा, उत्तराखंड से निशा रस्तोगी, डी0 डी0 मित्तल, आन्ध्र प्रदेश से भूपालम सतीश बाबू, कोंडलराव सेंडीरेड्डी, विजय राजू, पश्चिम बंगाल से नारायण चटर्जी, गुजरात से शंकर एम कतीरा, मयूर बारीचा, कर्नाटक से विद्याधर, असम से किरि रांगहेंग, मध्य प्रदेश से नितिन गुप्ता, राजेन्द्र प्रसाद बिंजवे शामिल हुए।

गोंडा महिला चिकित्सालय में कमीशन के चक्कर में मरीजों को निजी अस्पताल ले जाती हैं आशाए

अवध की आवाज ब्यूरो

गोंडा। निजी अस्पतालों से मिलने वाले मोटे कमीशन के चक्कर में गर्भवती महिलाओं को अस्पताल में गुमराह किया जा रहा है। प्रसव को पहुंचने वाले हर गर्भवती को लापरवाही और केस बिगड़ने का हौवा दिखाकर आशाएं निजी अस्पताल ले जाने की सलाह देती हैं। इतना ही नहीं निजी अस्पतालों

में सुरक्षित प्रसव कराने की सलाह देकर आशाएं कमीशन के चक्कर में खेल करती हैं। गोंडा जिला महिला अस्पताल में गर्भवती के एंट्री करते ही नेटवर्क से जुड़े लोग सक्रिय हो जाते हैं। इनमें खासकर आशा एवं अन्य स्वास्थ्य कार्यकर्ता हैं, जो नेटवर्क संचालित करने वालों के साथ जुड़े हैं। हमदर्दी दिखाने के बाद महिला अस्पताल की व्यवस्थाओं की कमियों का पिटारा खोल देते हैं। महिला अस्पताल में मरीजों को गुमराह करने और गर्भवतियों को निजी अस्पताल ले जाने वाले नेटवर्क का मामला स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों के संज्ञान में है, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं की जा रही है। आशाओं के कमीशन के चक्कर में कई बार जच्चा–बच्चा की मौत तक हो जाती है। अब तक कई मामले हो चुके हैं, मगर अफसर इससे अंजान बने हुए हैं।

आशाओं को मिलता है मोटा कमीशन

आशाओं को एक पेशेंट का दस हजार तक मिलता है कमीशन निजी अस्पताल गर्भवती को ले जाने पर कमीशन दो से दस हजार रुपये तक मिलता है। जिला महिला अस्पताल में प्रसव के लिए रोज दर्जनों महिलाओं आती हैं। सरकारी अस्पताल में लापरवाही की बात बताकर अनहोनी होने की आशंका से डरा दिया जाता है। तीमारदार अपने मरीज की बेहतरी के लिए वहां से निजी अस्पताल के लिए मरीज को लेकर निकलना ही बेहतर समझते हैं। इस दौरान महिला अस्पताल में घूम रही आशाएं उनसे मिलती हैं और निजी अस्पताल ले जाती हैं।

कोडवर्ड में बताती हैं अस्पताल

गोंडा महिला अस्पताल में आशाओं और अन्य लोगों का सक्रिय गैंग प्रसव के लिए पहुंचने वाली महिलाओं को कोडवर्ड में अस्पताल बताती हैं। इस नेटवर्क में शामिल लोगों ने मरीजों के कोडवर्ड तय कर रखे हैं। मरीजों को लाने और ले जाने तक के कोडवर्ड से आम आदमी को काले धंधे का पता नहीं चलता है। जितना गंभीर मरीज, उतना बड़ा पैकेज मिलता है। इसी के हिसाब से मरीज की जेब को देखते हुए निजी अस्पताल में भेजा जाता है। उसके बाद बंदरबाट होता है।

न्यायालय ने पश्चिम बंगाल के पूर्व मुख्य सचिव की याचिका पर कलकत्ता उच्च न्यायालय का आदेश रद्द किया

नई दिल्ली, (वेब वार्ता)। उच्चतम न्यायालय ने कलकत्ता उच्च न्यायायल का एक आदेश बश्हस्पतिवार को रद्द कर दिया। उच्च न्यायालय ने पश्चिम बंगाल के पूर्व मुख्य सचिव अलपन बंदोपाध्याय की अर्जी को कोलकाता से नई दिल्ली स्थानांतरित करने के केन्द्रीय प्रशासनिक न्यायाधिकरण (कैट) का आदेश खारिज कर दिया था। न्यायमूर्ति ए एम खानविलकर और न्यायमूर्ति सी टी रविकुमार की पीठ ने बंदोपाध्याय को अधिकार क्षेत्र वाले उच्च न्यायालय में अधिकरण के आदेश के खिलाफ अपील करने की छूट प्रदान की है। बंदोपाध्याय ने केन्द्र की ओर से उनके खिलाफ की गई कार्रवाई को चुनौती दी थी। शीर्ष अदालत ने उच्च न्यायालय के 29 अक्टूबर 2021 के फैसले के खिलाफ केन्द्र की याचिका पर यह फैसला सुनाया । केन्द्र ने बंदोपाध्याय की ओर से दाखिल याचिका पर पिछले वर्ष 29 नवंबर को उच्च न्यायालय द्वारा की गई टिप्पणियों पर '' गंभीर रुख'' अपनाया है। केन्द्र कर ओर से पेश सॉलीसिटर जनरल तुषार मेहता ने क्षेत्रीय न्यायाधिकार के मुद्दे पर बहस की और कहा था कि कलकत्ता उच्च न्यायालय को कैट की प्रधान पीठ के आदेश को चुनौती देने वाली याचिका पर अपने न्यायाधिकार का इस्तेमाल नहीं करना चाहिए था। बंदोपाध्याय के वकील ने शीर्ष अदालत को बताया था कि आईएएस अधिकारी हमेशा से कोलकाता के निवासी रहे हैं और इस मामले में कार्रवाई के कारण का प्रत्येक क्षेत्र पश्चिम बंगाल में है। उच्च न्यायालय ने कैट की कोलकाता पीठ को बंदोपाध्याय के आवेदन की सुनवाई में तेजी लाने और इसे जल्द से जल्द निपटाने का निर्देश दिया। कार्मिक, लोक शिकायत एवं पेंशन मंत्रालय ने 28 मई को कलाईकुंडा वायु सेना स्टेशन पर यास चक्रवात को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में हुई एक बैठक में भाग लेने के संबंध में बंदोपाध्याय के खिलाफ कार्यवाही शुरू की थी, जिसके खिलाफ बंदोपाध्याय कैट की कोलकाता पीठ का रुख किया था। केंद्र सरकार ने राज्य सरकार को याचिकाकर्ता को विमुक्त करने का निर्देश देते हुए उन्हें 31 मई को नई दिल्ली में रिपोर्ट करने का निर्देश दिया था। हालांकि राज्य सरकार ने बंदोपाध्याय को विमुक्त नहीं किया, जिसके बाद बंदोपाध्याय ने 31 मई को सेवानिवश्त होने का फैसला किया। हालांकि राज्य सरकार ने उन्हें उस तारीख से तीन महीने तक का सेवा विस्तार दिया था। सरकार ने बंदोपाध्याय के खिलाफ कार्यवाही शुरू की और इस संबंध में एक जांच प्राधिकरण नियुक्त किया गया, जिसने 18 अक्टूबर को नई दिल्ली में प्रारंभिक सुनवाई तय की। याचिकाकर्ता ने अपने खिलाफ कार्यवाही को चुनौती देते हुए कैट की कोलकाता पीठ में याचिका दायर की थी।

कोरोनाकाल में विधायक लल्ला भैया का कैसा कार्य रहा

अवध की आवाज ब्यूरो

गोंडा। इस सवाल पर क्षेत्रीय महिला ने बताया कि कोरोनाकाल में सबसे ज्यादा मार गरीबों पर पड़ी है लेकिन विधायक का ध्यान हम जैसे गरीबों पर नहीं रहा, विधायक जनता से मुलाकात नहीं तक नहीं कि विधायक जी केवल चुनाव में ही दिखाई पड़ते हैं क्षेत्र में, महिला ने बताया कि न तो अस्पताल में इलाज मिला, ऑक्सीजन के लिए भटकना पड़ा। आज भी अस्पताल में हालात यही हैं। गरीबों को इलाज नहीं मिल पाता। सरकारी योजनाओं का लाभ उपलब्ध कराने के सवाल पर लोगों की नाराजगी साफ दिखी। लोगों ने बताया कि क्षेत्र में बहुत कम लोगों को ही सरकारी योजनाओं का लाभ मिल सका। अभी भी सैंकड़ों लोग हैं जिन्हें पीएम आवास नहीं मिल पाए हैं, राशन तक नहीं मिलता। विधायक अजय प्रताप सिंह उर्फ लल्ला भैया से युवा बुजुर्ग सब खासतौर पर नाराज नजर आए। इलाके के

शिव कुमार ने बताया कि कोई नया कॉलेज नहीं खुला है। पढ़ाई को लेकर अच्छे कार्य होना थे जो नहीं हुए। रोजगार की भी कोई व्यवस्था नही हैं। युवा परेशान हैं। जनता से बातचीत में पता चला कि लोग विधायक के कार्यकाल से खुश नहीं है। कर्नलगंज की जनता विधायक अजय प्रताप सिंह से काफी नाराज दिख रही है, बहरहाल आने वाले वक्त में विधानसभा कर्नलगंज की सीट में फिर से कमल खिलेगा या नहीं, ये तो आने वाला वक्त ही बताएगा।

कर्नलगंज विधायक का रिपोर्ट कार्ड, जनता से जानिए कैसा रहा कार्यकाल, पास रहे या फेल?

अवध की आवाज ब्यूरो

गोंडा। लोकतंत्र का सबसे बड़ा महापर्व चुनाव है। देश के सबसे बड़े राज्य उत्तरप्रदेश में भी यह महापर्व आने वाला है। विधानसभा चुनाव 2022 के लिए तमाम राजनैतिक पार्टियां सक्रिय है। पार्टी प्रचार और अपनी जीत सुनिश्चित करने अलग अलग विधानसभा के विधायक मैदान में उतर चुके हैं। सभी का फोकस जनता पर है। कोई पार्टी का झंडा लिए जनता को रिझाने की कोशिश में है, तो कोई घोषणावीर बना हुआ है। लेकिन अपना जनप्रतिनिधि चुनने से पहले यह जानना भी जरुरी है कि पिछले पांच सालों में आपकी विधानसभा में कितना काम हुआ? क्या क्षेत्रीय विधायक आपकी उम्मीदों पर खरा उतरे? यही सवालों के जवाब जानने के लिए कैनविज टाइम्स की टीम पहुंची कर्नलगंज विधानसभा में और जनता से जाना कि आखिर कैसा रहा विधायक का कार्यकाल, कितने हुए विकास कार्य। तो चलिए सबसे शुरुआत करते हैं विधायक अजय प्रताप सिंह उर्फ लल्ला भैया से गोंडा के कर्नलगंज विधानसभा क्षेत्र से विधायक हैं, अजय प्रताप सिंह उर्फ लल्ला भैया 2017 में सपा के योगेश प्रताप सिंह को को करारी शिकस्त देते हुए चुनाव जीता था।

कर्नलगंज विधानसभा चुनाव परिणाम

अजय प्रताप सिंह भारतीय जनता पार्टी, 82867

योगेश प्रताप सिंह समाजवादी पार्टी 54462

संतोष कुमार तिवारी, बहुजन समाज पार्टी, 33241

1989 के चुनाव में करनैलगंज विधानसभा क्षेत्र से कुंवर अजय प्रताप सिंह उर्फ लल्ला भैया ने निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में राजनीति में कदम रखा और कांग्रेस प्रत्याशी को हराया। करनैलगंज का क्षेत्र मूलरूप से गन्ने की मिठास व सरयू घाघरा नदी के पावन संगम सूकरखेत, पसका वाराह क्षेत्र के रूप में विख्यात है। इस पावन धरती पर महाकवि तुलसी की जन्मभूमि राजापुर, गुरु नर हरिदास का आश्रम, श्रृंगी ऋषि आश्रम सिंगरिया, मां वाराही मंदिर समेत विभिन्न पौराणिक व ऐतिहासिक स्थल हैं। करनैलगंज क्षेत्र के दायरे में कई छोटे छोटे कस्बे, हॉट बाजार हैं। यहां पान, चाय, होटल से लेकर नाई की दुकान तक, गली गलियारे से खेत खलिहान तक, युवा, वृद्ध, महिला, पुरुष, नौजवान की जुबान पर राजनीतिक चर्चा जोरों पर है। लल्ला भैया को राजनीति विरासत में मिली थी। लल्ला भैया ने बहुत कम समय में ही राजनीति में अपना कद बहुत बड़ा कर लिया और लोगों के दिलों में भी जगह बनाई। अपशब्दों की राजनीति से दूर अजय प्रताप सिंह उर्फ लल्ला भैया काम करने में विश्वास रखते थे। गरीबों तक हर सुविधा पहुंचे इसका खास ख्याल रखते थे।परसपुर के सौरभ सिंह ने बताया कि कर्नलगंज विधानसभा क्षेत्र में लल्ला भैया के द्वारा विकास कार्य नहीं किए है सड़के टूटी फूटी हुई है। कर्नलगंज विधानसभा सीट गोंडा जिले की महत्वपूर्ण विधानसभा सीट है। कर्नलगंज विधायक अजय प्रताप सिंह उर्फ लल्ला भैया भाजपा के टिकट पर 2017 में समाजवादी पार्टी के प्रत्याशी योगेश प्रताप सिंह को शिकस्त देकर विधायक बने थे। लेकिन उनके पांच साल के कार्यकाल से जनता खुश नजर नहीं आई। जब कैनविज टाइम्स ने स्थानीय लोगों से बातचीत की तो विधायक के कामों को लेकर कुछ लोग खुश दिखे तो अधिकतर लोगों में नाराजगी दिखी। मिझौरा गांव निवासी बदला हुआ नाम (रमेश) ने बताया कि क्षेत्र में सड़कों की हालत बहुत खराब है। 5 सालों में कुछ काम नहीं हुआ। कुछ सड़के बनी लेकिन वह भी जल्द ही क्षतिग्रस्त हो गई। अगर उनकी क्वालिटी पर ध्यान दिया जाता तो रहवासियों को आवागमन में परेशानी नहीं आती। अब सड़कों पर जगह जगह उड़ती धूल से परेशान हैं। गड्ढों में गिरकर लोग घायल हो जाते हैं लेकिन सुनने वाला कोई नहीं है। क्षेत्र के पप्पू ने बताया कि विधायक लल्ला भैया ने अपने कार्यकाल में विकासकार्यों की सौगात दी लेकिन जनता की मूलभूत सुविधाओं की तरफ ही ध्यान नहीं दिया। घर–घर पानी, बिजली की व्यवस्था पहले होनी चाहिए थी। लेकिन अब भी लोग परेशान हैं। कई लोगों को सरकारी योजना का लाभ तक नहीं मिला।

पुलिस अधीक्षक ने 04 वर्षीय भटके हुए बच्चे को सकुशल उसके परिजनों को सुपुर्द करने वाले 112 पीआरवी कर्मियों को पुलिस कार्यालय बुलाकर बुके भेंट कर किया सम्मानित

अवध की आवाज ब्यूरो

गोंडा। गोंडा पुलिस अधीक्षक संतोष कुमार मिश्रा द्वारा समय–समय पर गोष्ठी कर पुलिस कर्मियो को मित्र पुलिसिंग को अधिक प्रभावी बनाने तथा जनमानस की समस्याओं को सुन त्वरित कार्यवाही करते हुए गुणवत्तापूर्ण समस्याओं के निस्तारण हेतु आवश्यक दिशा निर्देश दिए जाते रहे है । इन्ही दिशा निर्देशों के क्रम में डायल 112 की पीआरवी 0855 पर तैनात मुख्य आरक्षी रामसुमंत प्रसाद, आरक्षी बालजीत यादव व होमगार्ड चालक आलोक तिवारी ने सूचना मिलने के कुछ ही समय में घटनास्थल पर पहुँचकर 04 वर्षिय भटके हुए बच्चे को उसके परिजनों से मिलाकर उनकी खुशियां लौटाई थी । जिससे आमजनमानस मे पुलिस की काफी सराहना हो रही है । पुलिस अधीक्षक गोण्डा द्वारा उक्त कर्मियों को अपने कार्यालय बुलाकर प्रशस्ति पत्र व बुके भेट कर सम्मानित कर उनका उत्साहवर्धन किया गया।

सहकारी गन्ना विकास समिति का भूमि पूजन संपन्न

अवध की आवाज ब्यूरो

गोंडा। खोड़ारे गोण्डा क्षेत्र के ग्राम पंचायत गौरा बुजुर्ग में सहकारी गन्ना विकास समिति लिमिटेड गौराचौकी के भवन निर्माण का भूमि पूजन गौरा विधायक प्रभात वर्मा, ग्राम प्रधान राहुल शुक्ला, सहकारी गन्ना विकास समिति लिमिटेड के सचिव आनंद स्वरूप शुक्ला द्वारा संपन्न किया गया इस अवसर पर गौरा विधायक प्रभात वर्मा ने कहा कि गन्ना समिति के खुद का भवन बन जाने से किसानों को काफी सुविधा होगी और क्षेत्र के लोगों का विकास होगा उन्होंने कहा कि हमारी प्राथमिकता थी कि 20 साल से इस समिति को भवन नहीं मिल पाया था लेकिन मैंने अथक प्रयास करके इसकी बिल्डिंग को मंजूरी प्रदान कराई और आज इसका भूमि पूजन कर शिलान्यास हो रहा है। सचिव आनंद स्वरूप शुक्ला ने कहा कि यह भवन 80 लाख की लागत से बनेगा और क्षेत्र का बिकास होगा। इस अवसर पर अब्दुल आजाद अंसारी जेष्ठ गन्ना निरीक्षक मनकापुर, कालीचरण अवर अभियंता, अनिरुद्ध शुक्ला, शोहरत बर्मा, विंदेश्वरी बर्मा, विक्रम प्रसाद, बनारसी लाल गुप्ता प्रधान , दशरथ वर्मा सहित तमाम क्षेत्र वासी मौजूद रहे।

गौ आश्रम केंद्र में पशुओं को छोड़ने को ले कर हुयी मार पीट, पुलिस से शिकायत

अवध की आवाज ब्यूरो

गोंडा। धानेपुर गोंडा एक तरफ सरकार ने प्रशासन को सख्त आदेश दिया है की सभी छुट्टा पशुओं को आश्रय केंद्र भिजवाया जाय, तो वहीं दूसरी तरफ आश्रय केंद्र में छुट्टा पशुओं को रखने को ले कर आश्रम के कर्मचारियों व पेड़ारन गाँव के प्रधान के साथ आये लोगों ने मारपीट कर ली है। मामला मुजेहना के गौ आश्रय केंद्र रुद्रगड़ नौसी का है यहां गुरूवार को पेड़ारन गाँव के प्रधान अवधेश कुमार वर्मा गाँव के बीस पच्चीस लोगों के साथ करीब सौ की संख्या में मवेशी ले कर रुद्रगढ़ नौसी आश्रय केंद्र पहुंच गए, वहां तैनात कर्मचारी देवेन्द्र पाण्डेय ने कहा की जब अधिकारी नही कहेंगे दूसरे क्षेत्र के पशुओं को आश्रय केंद्र में नही रखा जाएगा जिस प्रधान अथवा उनके समर्थक उग्र हो गए और जबरदस्ती आश्रय केंद्र की बाउंडरी लांघ कर मुख्य द्वारा खोलने लगे जिसका विरोध करने पर आश्रय केंद्र के कर्मचारी गाली गलौज देते हुए मारपीट किये तो घटना की जानकारी डायल हंड्रेड को दी गयी, कुछ ही देर में वहां पुलिस ने पहुंच कर स्थिति को सम्भाल लिया तथा आश्रय केंद्र के कर्मचारी देवेन्द्र पाण्डेय जिससे मारपीट की गयी थी उससे तहरीर ले ली गयी है। थानाध्यक्ष शेष मणि पाण्डेय ने बताया है की घटना की तहरीर मिली है जांच कर दोषियों के विरुद्ध कार्यवाही की जायेगी।

अवध की आवाज हिन्दी दैनिक, प्रकाशक ,मुद्रक व स्वामी,अनिल कुमार सिंह द्वारा स्काई लाइन प्रिन्टर्स,119/23 खन्दारी लेन, लालबाग, लखनऊ उ0प्र0 से मुद्रित तथा डी–97/3 व 7,सेक्टर–7, इन्दिरा नगर,लखनऊ,उ0प्र0 से प्रकाशित। सम्पादक अनिल कुमार सिंह फोन : 0522–4340954 मो0–7905407289, Email: avadhkiaawaz@gmail.com
R.N.I.- UPHIN/2012/45127
नोट : समाचार पत्र से सम्बंधित सारे विवादोंका न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा।